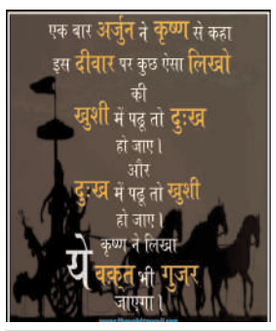

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, बुधवार 23 अप्रैल 2025 | वर्ष-31 अंक-251 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफन्यूज

सेंसेक्स 187 अंक ऊपर 79,596 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 187 अंक चढ़कर 79,596 पर बंद हुआ। निफ्टी में 42 अंक की तेजी रही, ये 24,167 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में रही। आईटीसी, एचयूएल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक और जोमैटो में 2.50 प्रतिशत तक चढ़कर बंद हुए। इंडसइंड बैंक का शेयर 4.73 प्रतिशत गिरा। वहीं, पावर ग्रिड, एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2.3 प्रतिशत तक गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 गिरकर बंद हुए। हालांकि, एनएसई के सेक्टोरल इंडाइसेस में रियल्टी में 2.42 प्रतिशत, एफएमसीजी में 1.89 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.50 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर में 0.80 प्रतिशत और सरकारी बैंक में 0.75 प्रतिशत की तेजी रही।

महाराष्ट्र में ओला के 121 स्टोर्स बंद होंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनी ओला के 121 स्टोर्स बंद होंगे। महाराष्ट्र के ट्रांसपोर्ट विभाग ने लोकल आरटीओ को इन्हें बंद करने के निर्देश दिए हैं। ट्रांसपोर्ट विभाग ने ओला के 146 स्टोर्स की जांच की थी, इनमें 121 से ज्यादा स्टोर्स बिना ट्रेड सर्टिफिकेट के चल रहे थे। दरअसल, पिछले महीने आरटीओ ने महाराष्ट्र में ओला के कई स्टोर्स पर छापेमारी की थी। स्टोर्स पर ट्रेड सर्टिफिकेट नहीं होने के चलते 192 व्हीकल्स को जब्त कर कारण बताओ नोटिस दिए गए थे। ओला के स्टोर्स पर देशभर में आरटीओ कार्रवाई हुई थी। अब तक महाराष्ट्र के अलावा मध्यप्रदेश और राजस्थान के 32 स्टोर्स पर रेड पड़ चुकी है। इसमें 50 से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियों को जब्त किया जा चुका है।

ट्रेनिंग प्लेन क्रैश, एक पायलट की मौत

अमरेली। गुजरात में अमरेली के गिरिया रोड स्थित रिहायशी इलाके में एक पायलट ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। विमान के गिरने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अमरेली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ यह प्लेन एक निजी कंपनी द्वारा संचालित था। हादसे का शिकार हुए प्लेन में एक ही पायलट सवार था, जिसकी मौत हो गई। पायलट का नाम अनिकेत महाजन है।

बच्चू डॉन मुठभेड़ में ढेर

जम्मू। जम्मू पुलिस द्वारा पंजाब से लाए जा रहे वांछित अपराधी मुश्ताक अली उर्फ राज अली उर्फ बच्चू डॉन की मौत पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हो गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी को जम्मू लाया जा रहा था, इसी दौरान उसने पुलिस पर अचानक हमला कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान किकरी मोड़, बाड़ी ब्राह्मण निवासी के रूप में की गई है। आरोपी कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था और पंजाब से हिरासत में लिया गया था।

बच्ची का कान खा गए कुत्ते

अलवर। अलवर में कुत्तों के झुंड ने 12 साल की बच्ची पर हमला बोल दिया। ट्यूशन पढ़कर लौट रही बच्ची को संभलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते कुत्तों ने 50 से अधिक जगह काट खाया। एक कान पूरी तरह खा गए हैं। बच्ची को 70 से अधिक टांके लगाए गए हैं। फिलहाल बच्ची डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती है। बेटी की हालत देख मां बेहोश हो गई। बगड़ तिराहा इलाके के मीणापुरा गांव की रहने वाली कांता देवी ने बताया- मेरी 12 साल की बेटी पायल 6वीं क्लास में पढ़ती है। वह रोज शाम को ट्यूशन जाती है।

एक्टर महेश बाबू को ईडी का समन

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक्टर महेश बाबू को हैदराबाद के दो रियल एस्टेट समूहों द्वारा खरीदारों को धोखा देने की जांच के सिलसिले में 28 अप्रैल को तलब किया है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से कुछ महीने पहले आतंकियों ने दी सरकार को चुनौती...

पहलगाम में पर्यटकों और स्थानीय लोगों से आतंकियों ने धर्म पूछ-पूछकर मारी गोली,

आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली आतंकी हमले की जिम्मेदारी

आतंकी हमला...20 से ज्यादा मौतों की आशंका

गृह मंत्री अमित शाह आईबी चीफ और गृह सचिव के साथ कश्मीर पहुंचे

आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क, एंटी टेरर ऑपरेशन शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ। बेसराण में आतंकियों ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। इस हमले में 20 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 लोगों के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि हुई है, जिनमें पर्यटक और स्थानीय शामिल हैं। यह हमला अमरनाथ यात्रा शुरू होने से कुछ महीने पहले हुआ है, जिससे सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। पहलगाम आतंकी हमले के चश्मदीदों ने खौफनाक मंजर बयां किया। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है।

घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टीमें क्षेत्र में भेजी गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फायरिंग की आवाजें सुनते ही सुरक्षाबलों को बायसरन क्षेत्र में भेजा गया, जो एक नॉन-मोटरेबल इलाका है। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन और स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। यह हमला हुआ जब पहलगाम पर्यटकों से भरा हुआ था। उधर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने लिखा- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई करेंगे। प्रधानमंत्री को घटना के बारे में जानकारी दी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

भेलपूरी खा रहे थे और आतंकी ने पति को गोली मार दी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एक महिला के पति को गोली मार दी गई। हमले के बाद के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें स्थानीय लोग और पर्यटकों को भागते हुए देखा जा सकता है। ऐसा ही एक वीडियो सामने आया, जिसमें एक महिला ने दु:ख भरे शब्दों में बताया कि आतंकियों ने उनके पति को गोली मार दी। इससे पहले आतंकी ने उनसे पूछा कि क्या वह मुस्लिम है? महिला ने बताया कि वह अपने पति के साथ भेलपूरी खा रही थीं, तभी एक आतंकी आया, उसने पूछा मुस्लिम हो? और उनके पति को गोली मार दी। पहलगाम से आई ताजा तस्वीर में एक महिला स्थानीय लोगों से अपने पति को बचाने की अपील करती नजर आ रही हैं। इस भावुक अपील ने पूरे देश में सहानुभूति की लहर पैदा कर दी है। चश्मदीदों का कहना है कि आतंकियों ने पहले नाम पूछे और फिर उनपर गोलियां चलाई गईं।

स्थानीय लोगों का मिला साथ

आतंकी हमले के बाद पर्यटकों में भय का माहौल है। आजतक ने पहलगाम आए एक पर्यटक से बातचीत की। पर्यटक ने कहा कि थोड़ा सा डर का माहौल तो हुआ है। हमारे घर से भी फोन आया आप वापस आ जाओ। जब हम वापस जाने लगे थे तो हमारे जो कश्मीरी भाईयों ने हमे बोला की यहां पर ऐसा कुछ दिक्कत नहीं है, आप यहां पर रुकिए देखिये डर तो लगता है। यहां पर जो हमारे लोकल लोग हैं वो हमारे साथ हैं, हमारे भाई लोग है नहीं, वो काफी निकल गए है।

शाह ने की आपात बैठक

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बातचीत की और उनसे सभी उचित कदम उठाने को कहा है। इसके साथ प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री से घटनास्थल का दौरा करने को भी कहा। गृह मंत्री अमित शाह ने आपात बैठक बुलाई है। बैठक में कई शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के डीजीपी वर्चुअली इस बैठक से जुड़े थे।

नेताओं ने जताई संवेदना

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह कायराना हरकत निंदनीय है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हुए ऐसी हिंसा अस्वीकार्य है और इसका विरोध किया जाना चाहिए। राजौरी के नौशेरा में भाजपा नेता रविंदर रैना ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तानी आतंकियों ने निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों को मार डालकर कायरता दिखाई है। उन्होंने कहा कि सेना और पुलिस ने क्षेत्र को घेर लिया है और हमले में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि मैं पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मेडिकल टूरिज्म बड़ाने में भागीदारी करें आयुष विभाग: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को दें बढ़ावा

आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग परस्पर समन्वय से मरीजों के उपचार में लायें तेजी

नए जिलों में भी आयुष कार्यालय खोले जाएं

प्रदेश में 5 नए आयुर्वेद महाविद्यालय तैयार, इनमें जल्द ही शुरू होगी पढ़ाई

मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग की समीक्षा में दिये निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मेडिकल टूरिज्म एक उभरता हुआ सेक्टर है। प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आयुष विभाग भी इस क्षेत्र में भागीदारी करें। प्रदेश के हर पर्यटन स्थल, धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के स्थलों के आसपास वैलनेस सेंटर स्थापित किए जाएं, इससे यहां आने वाले पर्यटक आयुष विभाग की प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और पंचकर्म सुविधा का भी लाभ ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव आयुष श्री डी.पी. आहूजा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन में प्रदेश में जहां-जहां नए आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित किए जाने हैं, इन्हें प्रारंभ करने के लिए तेज एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएं। स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग आपसी समन्वय और तालमेल से काम करें और अधिक से अधिक मरीजों को अपनी-अपनी चिकित्सा पद्धतियों से उपचार का लाभ दें। उन्होंने कहा कि दोनों ही विभाग रोजगारपरक शिक्षा की ओर बढ़ें, ताकि प्रदेश को अधिकाधिक डॉक्टर्स एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी मिलें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष विभाग द्वारा 543 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, 36 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, 14 यूनानी चिकित्सा अधिकारी, 65 आयुर्वेद व्याख्याता एवं 150 से अधिक पैरामेडिकल स्टॉफ एवं संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटर की पोस्टिंग भी कर देने की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अब आयुष के डॉक्टर्स गांव-गांव में उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिना किसी डिग्री के क्लीनिक चलाकर एवं घर-घर जाकर भोले-भाले ग्रामीण मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप डॉक्टर (क्वेक्स) पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पहुंचे आयुष विभाग की सेवाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारम्परिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। देश और प्रदेश में आयुर्वेदिक उपचार पद्धति की ओर लोगों का रुझान निरंतर बढ़ रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए आयुष विभाग की अपनी सभी चिकित्सा प्रणालियों यथा आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विस्तार के लिए जरूरी मानव संसाधन की पूर्ति कर अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनमानस में आयुष पद्धति के प्रति विश्वास और बढ़े, इसके लिए जन जागरूकता अभियानों को तेज किया जाए तथा आयुष सेवाओं की पहुंच दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जिन आयुर्वेदिक महाविद्यालय को हम निकटतम बड़े विश्वविद्यालय से जोड़ सकते हैं, उन्हें जोड़ने की कार्रवाई केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार करें। क्योंकि क्षेत्रीय बहुउद्देशीय विश्वविद्यालय से शिक्षा एवं उपचार की सभी पद्धतियों के महाविद्यालयों के लिंक होने पर अध्ययन और अध्यापन दोनों में सुविधा होगी।

सुप्रीम कोर्ट पर फिर भड़के धनखड़- कभी प्रस्तावना को संविधान का हिस्सा बताता है, कभी नहीं

संसद ही सुप्रीम, उससे ऊपर कुछ नहीं, सांसद असली मालिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रही बहस के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद ही सबसे ऊपर है। धनखड़ दिल्ली यूनिवर्सिटी में संविधान पर आयोजित प्रोग्राम में स्पीच दे रहे थे। धनखड़ ने कहा, संसद सर्वोच्च है और उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता। सांसद ही असली मालिक हैं, वही तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और सत्ता नहीं हो सकती। इससे पहले 17 अप्रैल को धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का काम ऐसा है, जैसे वो सुप्रीम संसद हो। धनखड़ का यह बयान तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का मामला पहुंचा है। दुबे ने कहा था कि मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। ऐसे में सीजेआई किसी राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने एक बार फिर संविधान कोर्ट की आलोचना की और सुप्रीम कोर्ट द्वारा संविधान की प्रस्तावना को लेकर व्याख्याओं में असंगति पर सवाल उठाया। जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है (गोलकनाथ मामला) दूसरे मामले में उसने कहा कि यह संविधान का हिस्सा है (केशवानंद भारती)। बता दें कि गोलकनाथ केस में संसद अनुच्छेद 368 के तहत मौलिक अधिकारों को संशोधित या समाप्त नहीं कर सकती, क्योंकि मौलिक अधिकार संविधान का अभिन्न हिस्सा हैं। यानी कि संसद को मौलिक अधिकारों में कटौती करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए। संविधान क्या होगा? इसे अंतिम रुप से तय करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधि ही होंगे और इससे ऊपर कोई अथॉरिटी नहीं होगा। इससे ऊपर कोई अथॉरिटी नहीं होगा। संसद सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र सहभागी है। डॉ. अंबेडकर ने माना कि स्वतंत्रता के लिए जिम्मेदारियों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि मौलिक कर्तव्य मूल रूप से संविधान में नहीं थे। इसलिए 42वें संविधान संशोधन द्वारा हमने अनुच्छेद 51ए पेश किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बातचीत में जीता है और बातचीत में सभी बराबर हैं। लोकतंत्र की सेहत बातचीत की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

यूपीएससी सिविल सर्विस का फाइनल रिजल्ट जारी

प्रयागराज की शक्ति दुबे टॉपर, हर्षिता गोयल दूसरे और अर्चित तीसरे स्थान पर

मप्र के 30 से ज्यादा युवाओं ने मारी बाजी

मप्र की आयुषी बंसल की 7वीं रैंक, ग्वालियर के माधव को 16वां, रीवा के रोमिल को 27वां, मंदसौर के ऋषभ को 28वां स्थान

प्रयागराज। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 22 अप्रैल 2025 को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम रैंक (एआईआर-1) हासिल कर शहर और देश का नाम रोशन किया है। इस साल कुल 1,009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप ए और बी) के लिए चुना गया है। शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि हर्षिता गोयल ने दूसरा और डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग (4), आकाश गर्ग (5), कोमल पुनिया (6), आयुषी बंसल (7), राज कृष्ण झा (8), आदित्य विक्रम अग्रवाल (9) और मयंक त्रिपाठी (10) शीर्ष 10 में शामिल हैं। 1,132 रिक्तियों के मुकाबले 1,009 उम्मीदवारों को चुना गया है। इसमें 335 सामान्य वर्ग, 109 ईडब्ल्यूएस, 318 ओबीसी, 160 एससी, 87 एसटी और 45 दिव्यांग (पीडब्ल्यूबीडी) उम्मीदवार शामिल हैं। 241 उम्मीदवारों का परिणाम अस्थायी रखा गया है। इसमें मप्र के 30 से ज्यादा युवाओं का सिलेक्शन हुआ है।

मप्र की आयुषी बंसल को 7वीं रैंक मिली है। इससे पहले आयुषी ने यूपीएससी-2023 में 97वीं और 2022 में 188वीं रैंक हासिल की थी। आयुषी का जन्म ग्वालियर में हुआ है। माता-पिता दोनों एलआईसी में काम करते थे। आईआईटी की तैयारी के लिए वो दिल्ली आ गईं। यहां मैकेंजी एंड कंपनी में काम किया। 2022 में जॉब क्विट करके यूपीएससी, सीएसई प्रिपरेशन शुरू की। ग्वालियर के माधव अग्रवाल ने 16वीं रैंक हासिल की है। साल 2019 में उन्होंने सीए में टॉप रैंक हासिल की थी। उनके पिता राकेश अग्रवाल चाय व्यवसायी हैं। वहीं, रीवा के रोमिल द्विवेदी को 27वीं रैंक मिली है। रोमिल सहकारिता विभाग के जॉइंट कमिश्नर केके द्विवेदी के बेटे हैं। पिछले साल इनका सिलेक्शन ऑल इंडिया रेलवे सर्विस में हुआ था। इसी तरह मंदसौर जिले के गरोठ के रहने वाले ऋषभ चौधरी ने 28 रैंक की हासिल की है। खास बात ये है कि ऋषभ ने बिना कोचिंग के ही ये मुकाम पाया है। वहीं, इटारसी के गरीबी लाइन निवासी मोनू शर्मा ने 359वी रैंक हासिल की है। भोपाल के क्षितिज आदित्य शर्मा को 58वां स्थान मिला है। इसी तरह इंदौर के योगेश राजपूत को रिजल्ट में 540वीं रैंक मिली है।यूपीएससी ने 230 उम्मीदवारों की एक समेकित रिजर्व लिस्ट भी जारी की है, जिसमें 115 सामान्य, 35 ईडब्ल्यूएस, 59 ओबीसी, 14 एससी, 6 एसटी और 1 पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार शामिल हैं। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा 16 जून 2024 को, मुख्य परीक्षा 20-29 सितंबर 2024 को और साक्षात्कार (पर्सनैलिटी टेस्ट) 7 जनवरी से 17 अप्रैल 2025 तक आयोजित हुए। कुल 5-6 लाख उम्मीदवारों ने प्रारंभिक परीक्षा दी, जिनमें से 2,845 ने साक्षात्कार के लिए क्वालिफाई किया।

टॉप 25 कैंडिडेट्स में 11 महिलाएं और 14 पुरुष

यूपीएससी टॉपर्स की टॉप 5 लिस्ट में 3 लड़कियों ने जगह बनाई है। वहीं टॉप 10 में 4 लड़कियां शामिल हैं। यूपीएससी ने कहा कि टॉपर्स ने आईआईटी, एनआईटी, वीआईटी, जेएनयू, दिल्ली यूनिवर्सिटी और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग, ह्यूमेनिटीज, विज्ञान, कॉमर्स, मेडिकल साइंस और आर्किटेक्ट में ग्रेजुएशन किया है।

सुप्रीम कोर्ट भाजपा सांसद के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई को तैयार

निशिकांत दुबे के खिलाफ अगले हफ्ते होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए याचिका अगले सप्ताह लिस्ट करने को कहा है। हालांकि अभी तारीख तय नहीं की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस के खिलाफ दिए भाजपा सांसद के बयानों के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने की मांग की गई है। मामला जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजे मसीह की बेंच के सामने तुरंत सुनवाई के लिए रखा गया था।

निशिकांत दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई संजीव खन्ना और धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। दुबे सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने के फैसले पर बात कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया था कि किसी बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका भी दायर

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने 20 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके दुबे के बयानों को आपराधिक अवमानना के दायरे में लाने की मांग की थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के वकील नरेंद्र मिश्रा ने लेटर पिटिशन दायर कर स्वतः संज्ञान लेकर अवमानना कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया था। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के वकील अनस तनवीर और शिवकुमार त्रिपाठी ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर आपराधिक अवमानना कार्यवाही की शुरू करने की अनुमति मांगी थी।

भाजपा ने दुबे के बयान से किनारा किया

निशिकांत दुबे के बयान पर नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा था- भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है। पार्टी ने सदैव ही न्यायपालिका का सम्मान किया है। पार्टी ने कोर्ट के आदेशों और सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है।

गोल्ड का नया रिकॉर्ड, 1 लाख रुपए पार

एक दिन में 3,330 बढ़ा सोना, चांदी 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,330 बढ़कर 1 लाख पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 96,670 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,242 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं।

» न्यूज कैप्सूल »

एक जिला एक औषधि देवारण्य योजना के अंतर्गत कृषकों को स्टीविया औषधीय खेती पर दिया गया प्रशिक्षण

धार। मध्य प्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड, आयुष विभाग भोपाल के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. रमेश चंद्र मुवेल के नेतृत्व में देवारण्य योजना के अंतर्गत एक जिला एक औषधि थीम पर औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु आज जिले के सभी ब्लाकों में स्टीविया आधारित औषधीय खेती पर कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा स्टीविया पौधे की कृषि तकनीक, औषधीय गुण एवं बाजार में इसकी मांग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन कुशलतापूर्वक किया गया, जिसमें कृषकों को स्टीविया की गुणवत्ता, लाभ एवं उत्पादन तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें इस खेती के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे और उन्होंने औषधीय खेती को अपनाने में गहरी रुचि दिखाई।

अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी पर की कार्यवाही

ग्वालियर। कुंवरपुरा क्षेत्र में नगर निगम से बिना विकास अनुज्ञा प्राप्त कर अवैध रुप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जिसे आज मंगलवार को निगम के अमले द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से हटवाया गया तथा कॉलोनाइजर को चेतावनी दी गई।

भवन अधिकारी राजीव सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार अवैध कॉलोनियों पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज ग्राम कुंवरपुरा के सर्वे क्रमांक 199, 200 पर तराना पत्नी रियायत खान, सुलेमान पुत्र कल्लू खां आदि के द्वारा 0.6791 हेक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी विकास कार्य किया जा रहा था। जिसकी नगर निगम द्वारा कोई भी विकास अनुज्ञा प्राप्त नहीं की गई थी। उक्त कालोनी में किए गए अवैध स?क ,विद्युत पोल सीवर लाइन,बाउंड्री वॉल आदि कार्य के विरुद्ध मौके पर कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई में भवन निरीक्षक अजय शर्मा, मदाखलत प्रभारी शैलेंद्र सिंह चौहान, क्षेत्रीय कार्यालय का स्टाफ, पटवारी सत्येंद्र श्रीवास्तव एवं महाराजपुरा थाना पुलिस बल उपस्थित रहा।

मुख्य मार्ग से हाथ ठेले हटाकर यातायात को किया सुगम

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

मदाखलत अधिकारी केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त सिंघ प्रिय के निर्देशानुसार उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज पूर्व विधानसभा में नवीन जिला न्यायालय कलेक्ट्रेट मार्ग से हाथ ठेले हटाये जाकर जप्त किये गए एवं मैन रोड पर रखी अवैध गुमटी को जप्त किया गया। इसके साथ सिटी सेंटर पर मुख्य मार्ग पर डाले कंस्ट्रक्शन मैटेरियल को हटवाया गया। इसके साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों से लगभग 50 आवारा पशु पक?कर गौशाला भेजा। उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव पूर्व विधानसभा द्वारा की गई।

इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा अंतर्गत जिंसीनाला, ऊंटपुल, हनुमान नगर से लेकर सुदर्शन होटल मुख्य मार्ग पर यातायात में अवरुद् दुकानों के बाहर रखा सामान, कूलर, स्टैंडबोर्ड, घास की टटिया को हटाकर जप्त करने की कार्यवाही मदाखलत दल (दक्षिण) द्वारा की गई एवं हिदायत दी गई कि दोबारा अतिक्रमण ना किया जाए। उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक सुघर सिंह एवं दल द्वारा की गई।

जनरल स्टोर संचालिका के सूने मकान से हजारों के गहने चोरी

भोपाल। कोलार थाना इलाके में स्थित कजलीखेड़ा इलाके में जनरल स्टोर की संचालिका के सूने मकान से कीमती जेवरात सहित हजारो की नगदी चोरी हो जाने की घटना सामने आई है। घटना के समय वह पीड़ित परिवार सहित अपने गांव गई हुई थीं।

लगातार किया जा रहा जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य

लगभग 200 खंती, 78 छोटी- छोटी नाली व 300 से ज्यादा पौधों में थालों का हुआ निर्माण

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान एक व्यापक जन आंदोलन बन चुका है। राज्य सरकार खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन के साथ नदियों एवं पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में विश्व जल दिवस से लेकर विश्व पृथ्वी दिवस तक श्रीराम आरण्यक घाटी चिनकी में वर्षा जल के संग्रह के उद्देश्य से अब तक लगभग 200 खंती, 78 छोटी- छोटी नाली और 300 से ज्यादा पौधों में थालों का निर्माण किया जा चुका है। श्रीराम आरण्यक घाटी का पानी घाटी में ही रहे, इसे उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्य लगातार जारी है।

आज विश्व पृथ्वी दिवस पर परिषद की नवांकुर संस्था पिपरहा, रम्पुरा एवं नन्ही झामर- घूरपुर तथा विश्व गायत्री परिवार चिनकी इकाई व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी और ग्रामवासियों की सहभागिता से जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसमें खंती- कंटूर ट्रेंच, कैटल कैनाल- नाली, पौधों में थालों का निर्माण सामुदायिक श्रमदान से किया जा रहा है।

मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारयण शर्मा ने बताया कि जल, जंगल, जमीन, जानवर एवं मनुष्य सहित सभी की सुरक्षा और धरातल पर जन सहभागिता से प्रमुख तत्व जल के संरक्षण व संवर्धन के लिए जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वर्षाकाल में जल को रोककर भू- जल स्तर में बड़ोत्तरी होगी। श्रीराम आरण्यक घाटी चिनकी में श्रमदान लगातार किया जा रहा है, जो 22 मार्च 2025 विश्व जल दिवस से प्रारंभ किया गया 30 जून 2025 तक किया जायेगा।

इस दौरान जनअभियान जिला समन्वयक सहित करेली की समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक, विश्व गायत्री परिवार से सुदीप, हरीराम लोधी, नेतराज लोधी, गुलजार पटेल, मुकेश लोधी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अनुराग लोधी, आशीष पटेल, नवांकुर संस्था रम्पुरा से भगवान सिंह लोधी, देवेंद्र सिलावट, नन्हीझामर से रघुनंदन लोधी एवं पिपरहा से राधेश्याम मलाह व मनोज पटेल, अन्य सदस्य और ग्रामवासी अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर छात्रा से दुष्कर्म , पति के दोस्त ने किया रेप

ग्वालियर। दोस्त का बर्थ डे विश करने का झांसा देकर दसवी कक्षा की को एक होटल में ले गया और वहां पर नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही उसके फोटो और वीड़ियो बना लिए। रात के बाद जब छात्रा को होश आया तो उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसे फोटो -वीडियो वायरल करने की धमकी दी। बदनामी के डर से छात्रा चुप रही तो आरोपी उसका शोषण करने लया। अब जब छात्रा परेशान हो गई के थाने पहुंची और शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

भिण्ड निवासी 18 वर्षीया छात्रा ने शिकायत कि है कि वह अभी नाका चंद्रवदनी पर रह रही है। इसी के दौरान उसकी दोस्ती बनवार निवासी सचिन प्रजापति पुत्र गोपाल प्रजापति से हो गई उसके बाद उनको सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत हो रही थी और जनवरी 2024 में सचिन ने उसे दोस्त के बर्थ डे में बुलाया । जब उसने इनकार किया तो उसका कहना था कि वह उसका सबसे अच्छा दोस्त है और पार्टी दे रहा है, । उसकी बात मानकर यह सिटी सेंटर स्थित होटल कंफर्ट में पहुंची तो वहां पर आरोपी उसे एक कमरे में ले गया। जहां पर कोई नहीं था। जब उसने दोस्त के बारे में पूछा तो उसका कहना था कि दोस्त आने वाले हैं । इसके बाद उसने उसे कोल्ड ऑफर की, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई और दो घंटे बाद उसे होश आया तो कह बगैर कपड़ों के थी और सचिन भी बगैर कपड़ों के उसने विरोध किय तो आरोपी ने उसे फोटो और वीडियो दिखा कर कहा कि वह चुप रहे वरना वह बदनाम कर देगा।

इसके बाद आरोपी ने उससे शादी का वादा किया और उसका शोषण कर रहा था। अब जब उसने शादी को बोला तो आरोपी अपने वादे से मुकर गया और उसके शोषण से परेशान पीड़ित थाने पहुंची और मामले की की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी को दबोच लिया।

उधर जनकगंज थाना क्षेत्र के तिधरा रोड निवासी 20 साल की महिला ने शिकायत की है कि वह गोहद की रहने वाली है और यहां पर पति व पांच माह की बच्ची के साथ रहती है। 19 अप्रैल को उसके पति का दोस्त रंजीत प्रजापति निवासी गोहद उनके घर पर आया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर ग्राम पंचायत बसुरिया में आयोजित हुई जल संगोष्ठी

जल संरचनाओं का निर्माण कर जल स्रोतों की हुई साफ- सफाई

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विश्व पृथ्वी दिवस पर मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद चीचली की नवांकुर संस्था हरदौल, जन सेवा समिति बसुरिया द्वारा जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बसुरिया में जल संगोष्ठी आयोजित हुई। इसके उपरांत जल संरचनाओं का निर्माण कर जल स्रोतों की साफ- सफाई की गई।

जल संगोष्ठी के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान हम सभी को एक साथ जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य करने की जरूरत है, जिससे आने वाली पी?ी को जल सहजता से उपलब्धत हो सके। आज हम जल को सदुपयोग करेंगे तो कल हमें सहजता से पानी उपलब्ध होगा। हमें पुरानी जल संरचनाओं को भी सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। आज हम सब विश्व पृथ्वी दिवस मना रहे हैं, जो हमने भूमि से जल लिया है, अब उस जल को वापस करने का समय आ गया है। जल संगोष्ठी के उपरांत सभी की सहभागिता से जल संरचनाओं का निर्माण किया और पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई की। इस दौरान सभी ने जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ ली।

इस अवसर पर सरपंच कमलेश कुमार सिलोकिया, मुकेश नगपुलिया, प्रस्फुटन समिति पलेरा के अध्यक्ष लीलाधर लोधी, मप्र जनअभियान परिषद की संस्थाओं के पदाधिकारी और ग्रामीणजन मौजूद थे।

निगमायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर। जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं का निराकरण गंभीरता पूर्ण के साथ संतुष्टिपूर्ण करें। जिससे आवेदक को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार बार जनसुनवाई के चक्कर न लगाने पड़ें। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में दिए। जनसुनवाई में अपर आयुक्त श्री विजय राज, श्री अनिल दुबे, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 14 लवकुश नगर सेवा नगर निवासी सुषमा शाक्य ने अवैध निर्माण कार्य को हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 37 जीवाजीगंज निवासी आलोक कुशवाह ने अपनी निजी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाये जाने के संबंध में, वार्ड 15 मॉ वैष्णो पुरम कॉलोनी निवासीगणों ने आवेदन देते हुए बताया कि क्षेत्र में अवैध डेयरियों से निकलने वाले गोबर को नाली में बहाने से सीवर चौक हो जाता है, आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 54 मिस्त्री खाना चना कोठार कम्पू निवासी श्रीमती नूरजहां ने आवेदन देते हुए बताया कि चार लोगों ने निगम की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान बना रहे हैं, आवेदिका ने उचित कार्यवाही के संबंध सहित अनेक समस्याओं के आवेदन आवेदकों ने निगमायुक्त को दिये। निगमायुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

छात्रों को बताया स्वच्छता का महत्व, दिलाई स्वच्छता की शपथ

ग्वालियर। स्वच्छ ग्वालियर के अंतर्गत शहर में म्यूज एवं डिवाइन संस्था के सहयोग से नगर निगम ग्वालियर द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न मोहल्लों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों में जाकर छात्र-छात्राओं एवं आमजन को गीला सूखा कचरा अलग-अलग देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। आईईसी के नोडल अधिकारी मुकेश बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छ ग्वालियर अंतर्गत नगर निगम ग्वालियर की सहयोगी संस्था म्यूज संस्था द्वारा स्वच्छता की पाठशाला अभियान अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय दुल्लपुर में स्वच्छता की पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गीले तथा सूखे कचरे के पृथक्करण के महत्व को विस्तारपूर्वक समझाया गया, विद्यालय में तथा घर पर 4 डस्टबीन रखने के लिए प्रेरित किया गया तथा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही डिवाईन संस्था द्वारा एसडी कॉन्वेंट हाई स्कूल में छात्र छात्राओं को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने के बार मे समझाइस दी गई, इससे होने वाले दुष्प्रभाव के बारे मे समझाया गया, कप? की थैलियों व अन्य बायोडिग्रेडेबल वस्तुओं का उपयोग करने के बारे मे बताया गया। साथ ही 4 बीन सेग्रिगेशन के बारे में जानकारी देकर अपने घर, गली- मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थानो में सफाई रखने के लिए आग्रह किया एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

विश्व वसुंधरा दिवस पर मुंगवानी, मुराछ व गाडरवारा शासकीय स्कूलों में आयोजित हुए कार्यक्रम

चित्रकला, लघु नाटिका व रैली सहित अन्य गतिविधियां हुई आयोजित

नरसिंहपुर। विश्व वसुंधरा दिवस पर पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगवानी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुराछ और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला गाडरवारा में विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगितायें आयोजित की गई। विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला, लघु नाटिका व रैली निकालकर नागरिकों को जल संरक्षण व संवर्धन, पौधरोपण सहित प्राकृतिक के संरक्षण का संदेश दिया।

पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगवानी में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित रचनात्मक पेंटिंग बनाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुरभि गोलहानी एवं कक्षा 10 वीं छात्रा महिमा ब्राम्हण, द्वितीय स्थान कक्षा 9 वीं की छात्रा खुशी जाटव और तृतीय स्थान कक्षा 11 वीं के छात्र निकिता लोधी व कक्षा 9 वीं के छात्र दशरथ ने प्राप्त किया। विजेताओं को प्राचार्य फूलसिंह मेहरा द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य मेहरा ने पृथ्वी संरक्षण, पौधरोपण, जल का संरक्षण व संवर्धन और प्लास्टिक का कम उपयोग करके पर्यावरण की रक्षा करने की बात कही। उन्होंने प्रत्येक छात्र को एक पौधा लगाने और उसका संरक्षण करने की बात कही।

लघु नाटिका में निकिता लोधी, संध्या लोधी, हरिओम पटेल व और मोहित मेहरा प्रदूषण, वृक्षों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को दर्शाया। साथ ही पौधरोपण व स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुराछ में चित्रकला, एकांकी कविता पाठ व शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर छात्रा मानसी लोधी, मुस्कान लोधी, रानी लोधी, सुहानी और अंकिता को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत किया।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला गाडरवारा में विश्व पृथ्वी दिवस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रैली एवं नाटिका का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं और शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर से एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान छात्राओं ने अपने हाथों में पृथ्वी बचाओ और जल संरक्षण से संबंधित नारे लेकर नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई। इस दौरान नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा की जिला बैठक एवं अजा मोर्चा के प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित

अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी 24 को

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रबुद्धजनों की बैठक जिला कार्यालय मुखर्जी भवन में मंगलवार को आयोजित हुई। आगामी कार्यक्रमों को लेकर आयोजित यह बैठकें जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में आयोजित हुई।

जिला बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि यह महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश संगठन द्वारा निर्देशित आगामी कार्यक्रमों को शत प्रतिशत धरातल पर सफल करना है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जी की जयंती 14 से 25 अप्रैल तक होने वाले कार्यकमों की श्रृंखला में 24 अप्रैल को शाम 6 बजे कृषि विवि में बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भाजपा का वरिष्ठ नेतृत्व उपस्थित रहेगा।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर जी एक नाम नहीं है बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक है। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने विविध कार्यक्रम कर रही है। 24 अप्रैल को आयोजित होने वाली संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जिलाध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। इस महत्पूर्व कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में समस्त कार्यकर्ता सम्मिलित हो एवं आमजन को भी जोडने का प्रयास करें। बाबा साहब के विचारों का व्यापक प्रसार कार्यक्रम का उद्देश्य है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि आज सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं और जब भी पार्टी का कोई काम आता है, चाहे चुनाव हो या कोई कार्यक्रम हो आप सभी ने ब? च?कर भाग लिया है।

» न्यूज कैप्सूल »

सर्वदलीय बैठक के बाद होगा लाइव प्रसारण का फैसला !

ई-विधानसभा को लेकर तैयारी, सदन में केवल बिछाना शुरू विधायकों के लिए लैपटॉप खरीदने 19 करोड़ का अनुमोदन

भोपाल। मप्र विधानसभा में कार्यवाही का लाइव प्रसारण का फैसला सर्वदलीय बैठक के बाद होगा। मई के पहले सप्ताह में सर्वदलीय बैठक हो सकती है। इधर विधानसभा के मानसून सत्र से सदन की कार्यवाही लाइव हो सकती है। इसी कड़ी में जहां सदन में केवल बिछाने का काम शुरू हो गया है वहीं राष्ट्रीय सूचना केंद्र विधायकों के लिए लैपटॉप खरीद रहे है। देश के 13 प्रदेशों के 14 सदनों में केंद्र सरकार की विधान परियोजना लागू हो चुकी है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सर्वदलीय बैठक में फैसला लेंगे। मध्य प्रदेश के लिए 19 करोड़ 36 लाख रुपए की परियोजना के कामों का अनुमोदन मिल चुका है।

बता दें कि विधानसभा के लाइव प्रसारण को लेकर कांग्रेस हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है। कांग्रेस विधायक सचिन यादव और प्रताप सिंह ग्रेवाल की याचिका पर हाईकोर्ट सरकार को नोटिस भेज चुकी है। इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने नोटिस भेजकर सरकार से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। ई विधानसभा में कार्यवाही को लेकर तैयारियां जारी है। ई विधानसभा को लेकर विधानसभा की टीम (हिमाचल समिति) तीन राज्यों का कर दौरा चुकी है। विधायकों के लिए लैपटॉप खरीदने का टेंडर जल्द जारी होगा।

रोहिणी नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनेगी अक्षय तृतीया

यह दिन सतयुग और त्रेता युग के आरम्भ का प्रतीक है तृतीया 29 अप्रैल की शाम को ही शुरू हो जाएगी

भोपाल। वैशाख मास में अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल को रोहिणी नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाया जाएगा। इस दिन श्री विष्णु, माता लक्ष्मी और गौरी की पूजा से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त होता है। इस दिन बगैर सुझाए विवाह भी होते हैं। इसलिए अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाता है। अक्षय तृतीया पर सभी शहरों में ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 29 अप्रैल को मंगलवार शाम को पांच बजकर 31 मिनट से शुरू होगी। वहीं, तृतीया तिथि का समापन 30 अप्रैल को दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। इसके लिए 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया मनाया जाएगा। 30 अप्रैल के दिन पूजा का शुभ समय सुबह पांच बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक है।

जैन समाज की रावण से तुलना करने वाले नेता निष्कासित-जबलपुर में भाजपा नेताओं का ऑडियो वायरल हुआ था, लोगों ने घेरा था थाना

भोपाल। जबलपुर में जैन समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर भाजपा ने आचार्य विद्यासागर मंडल अध्यक्ष और पूर्व मंडल अध्यक्ष को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। सोमवार देर रात भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने आदेश जारी किया है। मंडल अध्यक्ष जागृति शुक्ला और पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह राजपूत को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया है। अब जल्द ही आचार्य विद्यासागर मंडल के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी।

15 अप्रैल को जागृति और शैलेन्द्र सिंह का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें दोनों ने जैन समाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। ऑडियो सामने आने के बाद जैन समाज के लोगों थाने में हंगामा कर दिया था। भाजपा ने दोनों नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नगर अध्यक्ष ने तीन दिन में नोटिस का जवाब देने कहा था, इसके बावजूद जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तब संगठन ने दोनों ही नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा, इस मामले से पार्टी की छवि धूमिल हुई है और यह अनुशासनहीनता की दायरे में आता है, इसलिए दोनों को तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है।

तीखी धूप से चढ़ने लगा पारा

24 अप्रैल तक दूसरा पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना

भोपाल। तीखी धूप के चलते समूचा प्रदेश इस वक्त भीषण गर्मी की चपेट में है। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों का तापमान 40 डिग्री से अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं टीकमगढ़ और सीधी में हीट वेब चली। तीखी धूप की वजह से सड़कें दोपहर में अब सूनी होने लगी हैं। गर्मी के ये तेवर आगे भी जारी रहेंगे। लिहाजा आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होगी। 24 अप्रैल तक दूसरा पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। प्रदेश में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में वृद्धि होगी। इन दिनों मध्यप्रदेश का पूर्वी हिस्सा यानी, सीधी, सतना, टीकमगढ़, छतरपुर, सिंगरौली सबसे गर्म है। सोमवार को लगातार दूसरे दिन सीधी में पारा 44 डिग्री के पार रहा। वहीं, 27 शहरों में पारा 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। मंगलवार को भी प्रदेश में तेज गर्मी रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर, रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग के 9 जिलों में लू चल सकती है। इनमें अलीराजपुर, बड़वानी, शिवपुरी, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ सीधी और सिंगरौली शामिल हैं। भोपाल, उज्जैन, सागर और जबलपुर संभाग में भी गर्मी का असर रहेगा। यहां भी लू जैसे हालात ही रहेंगे। इससे पहले सोमवार को पूरा प्रदेश तप गया। गर्म हवाएं चलने की वजह से सीधी में पारा 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले रविवार को यहां तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया था। सीधी के बाद सतना और टीकमगढ़ में सबसे ज्यादा गर्मी रही। सतना में 43.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 43.5 डिग्री, नौगांव में 43.2 डिग्री, रीवा में 43 डिग्री दर्ज किया गया। दमोह, मंडला, शिवपुरी, उमरिया, मलाजखंड, सागर, खरगोन, खजुराहो, सिवनी, नरसिंहपुर, गुना, रतलाम, नर्मदापुरम, रायसेन, खंडवा, बैतूल, धार और छिंदवाड़ा में भी तेज गर्मी रही। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में पारा सबसे ज्यादा 41.9 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में 40.7 डिग्री, भोपाल में 40.1 डिग्री, उज्जैन में 40 डिग्री और इंदौर में पारा 39.6 डिग्री रहा।

पारे में बढ़ोतरी का दौर रहेगा

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक गर्मी का असर तेज रहेगा। मंगलवार को लू का अलर्ट भी है।

पिछले साल मंत्री लागू नहीं कर पाए थे स्थानांतरण नीति, एक बार फिर दिए निर्देश

शहरों में सालों से जमें शिक्षकों को तीन साल गांव में पढ़ाना अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश की बेपटरी दौड़ रही स्कूली शिक्षा में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने एक बार फिर सालों से शहरों में जमें शिक्षकों को गांव में भेजने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश विभाग की हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए हैं। हालांकि मंत्री ने यही निर्देश पिछले साल जून 2024 में भी दिए थे। सालभर निकल जाने के बाद भी उनके निर्देशों पर अमल नहीं हो सका।

दरअसल तीन साल पहले एमपी सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग की नई ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी दी है। यह व्यवस्था साल 2023-24 से पूरी तरह लागू करना था। नई ट्रांसफर पॉलिसी के तहत शिक्षा विभाग में सभी संवर्गों के लिए स्थानांतरण प्रक्रिया 31 मार्च से 15 मई के बीच पूरी करना है। लेकिन दो साल पहले वरिष्ठ पदों पर प्रभार देने व विधानसभा के चुनाव होने के कारण नई ट्रांसफर पॉलिसी को टाल दिया गया था। पिछले साल वर्ष 2024 में जून के महीने में मंत्री ने इसे सती से लागू करने की बात कही, लेकिन मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। तीन दिन पहले हुई स्कूल शिक्षा विभाग की वीडियो कांफ्रेंसिंग में मंत्री ने एक बार फिर सालों से शहरों में जमे शिक्षकों को गांव में भेजने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा है कि शहरों में जिन स्कूलों का रिजल्ट लगातार कम आ रहा है, उन स्कूलों के शिक्षकों को प्रशासकीय आधार पर गांव में भेजा जाएगा। मंत्री के इन निर्देशों पर कितना अमल हो पाता है, यह आने वाला समय ही बताएगा।

ट्रांसफर पॉलिसी में इन्हें मिलेगी छूट

ऐसे शिक्षक जिनकी सेवानिवृत्ति में तीन वर्ष शेष हैं और गंभीर बीमारी या विकलांगता से पीड़ित हैं, उन्हें इस प्रक्रिया से मुक्त रखा जाएगा। स्थानांतरण में वरीयता क्रम निर्धारित किया गया है। नई नीति के अनुसार शिक्षकों को निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की निजी पदस्थापना में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

3डी प्रिंटिंग से बच्चों की जटिल हार्ट सर्जरी संभव

एम्स ने पेश की नई तकनीक; डॉक्टर अब ऑपरेशन से पहले कर सकेंगे प्रैक्टिस

भोपाल। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमें देश के कई डॉक्टरों ने सिटी स्कैन और एमआरआई जांच रिपोर्ट देखकर बच्चे के दिल का ऑपरेशन संभव न होने की बात कही। रिपोर्ट्स देखकर ऐसा ही लग रहा था। लेकिन जब मरीज के दिल का 3डी प्रिंटर की मदद से आर्टिफिशियल मॉडल तैयार किया गया, तो परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं। प्रिंटर से तैयार किए गए आर्टिफिशियल दिल को देखकर सर्जरी का रास्ता साफ नजर आने लगा।

दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस यह 3डी प्रिंटर बिल्कुल मरीज के दिल जैसा आर्टिफिशियल हार्ट तैयार करता है। जिसके साइज से लेकर नसों के आकार और उनके स्थान तक बिल्कुल एक जैसे होते हैं। ऐसे में इस मॉडल से दिल की उन बारीकियों की जानकारी मिलती है, जो रिपोर्ट देखकर पता लगाना संभव नहीं होता। यह बातें भोपाल एम्स में आयोजित नेशनल सिम्पोज़ियम ऑन 3डी प्रिंटिंग एंड मॉडलिंग के दौरान कार्डियोथोरेसिक विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आदित्य सिरोही ने कहीं। इस कार्यक्रम में एम्स दिल्ली सहित दुनियाभर से 3डी प्रिंटिंग विशेषज्ञ और सर्जन शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह द्वारा किया गया।

ऐसे तैयार होता है 3डी मॉडल

एम्स दिल्ली के न्यूरो इंजीनियरिंग लैब के साइंटिस्ट डॉ. रमनदीप सिंह ने कहा कि 3डी प्रिंटिंग मॉडल का हेल्थ केयर के क्षेत्र में अच्छा स्कोप है। इसके जरिए मरीज के जैसा हूबहू आर्टिफिशियल अंग तैयार किया जा सकता है। यह सिलिकॉन का दिल, फेफड़े, दिमाग से लेकर कोई भी अंग बना सकता है। इसमें डॉक्टर जरूरत के हिसाब आर्टिफिशियल अंग के हिस्सों का कलर व कठोरता भी तय कर सकता है। मॉडल बनाने के लिए प्रिंटर में मरीज की सिटी स्कैन व एमआरआई रिपोर्ट के साथ ब्लड टेस्ट समेत अन्य रिपोर्ट की डिटेल फीड करनी होती है। इनके आकलन के बाद यह मशीन बिल्कुल मरीज के जैसा दिला तैयार कर देता है। यह हड्?डी जैसे कठोर और नसों जैसे मुलायम दोनों प्रकार के स्ट्रक्चर बनाता है। इस वजह से इसे देखकर और इस पर सर्जरी की प्रैक्टिस कर पाना बिल्कुल असली अंग जैसा अनुभव देता है। हालांकि यह तकनीक अभी काफी महंगी है।

बिना इलाज दम नहीं तोड़ेंगे बच्चे

कार्यक्रम में शामिल स्ट्रेटासिस इंडिया साउथ एशिया के बिजनेस हेड राजीव बजाज ने कहा कि हेल्थ सेक्टर में 3डी प्रिंटर की भूमिका बेहद अहम है। हमारी एक स्टडी में सामने आया कि बच्चों के दिल से जुड़े जटिल मामलों में कई डॉक्टर सर्जरी के लिए तैयार नहीं होते, क्योंकि उन्हें सर्जरी के सफल होने की संभावना कम लगती है। इस वजह से कई बच्चों की जान बिना इलाज ही चली जाती है। इस समस्या को पूरी तरह से खत्म करने में यह प्रिंटर मदद करेगा। इसमें तैयार दिल बच्चे के दिल जैसा होगा। उसे जो समस्या है वही इस आर्टिफिशियल दिल में होगी। जिसपर सर्जरी कर डॉक्टर प्रैक्टिस कर सकेंगे। जिससे बच्चे की जटिल सर्जरी के सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी।

सर्जरी का समय और खतरा होता है कम

डॉ. सिरोही ने बताया कि मरीज को जो एनफोर्सेबल रिस्क होते हैं या सर्जरी के बाद जिन दिक्कतों का खतरा रहता है। यह 3डी प्रिंटिंग उनको कम करने में मददगार है। इसके अलावा सर्जरी का टाइम भी कम करने में सहायक है। ऐसा इसलिए क्योंकि सर्जरी से एक दिन पहले डॉक्टर 3डी प्रिंटेड हार्ट पर प्रैक्टिस कर चुके होते हैं। इस प्रक्रिया में सीनियर सर्जन सहित पूरी टीम शामिल होती है, जो सर्जरी की प्लानिंग करती है। अगले दिन जब मुख्य सर्जन ऑपरेशन थिएटर में जाता है, तो उसे पहले से यह पता होता है कि हार्ट अंदर से कैसा है और सर्जरी कैसे करनी है। इससे सर्जरी का समय 15 मिनट तक कम हो जाता है।

अफसरों की मनमानी और नाफरमानी के खिलाफ जिपं उपाध्यक्ष ने खोला मोर्चा

अधूरे नल-जल प्रोजेक्ट को लेकर 24 से बैठेंगे भूख हड़ताल पर

भोपाल। भोपाल के आधे से ज्यादा गांवों में नल-जल प्रोजेक्ट अधूरे हैं। इस कारण गांवों की बड़ी आबादी को गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहा है। इसे लेकर जिला पंचायत की बैठक में मुद्दा भी उठ चुका है, पर पीएचई विभाग के जिम्मेदार नहीं जागे। इस कारण जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिख दिया। कहा कि जिपं ऑफिस परिसर में ही 24 अप्रैल से भूख हड़ताल पर बैठूंगा।

कलेक्टर को पत्र लिखते ही सीईओ ईला तिवारी ने नल-जल योजनाओं के बारे में 3 दिन में रिपोर्ट मांग ली। उन्होंने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नल-जल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए टीमें बना दी। इस टीम में पीएचई, जनपद के इंजीनियर, सचिव, रोजगार सहायक शामिल किए गए हैं, जो जिला पंचायत के सभी सदस्य को अवगत कराते हुए निरीक्षण/जांच करेंगे। संबंधित टीमें ग्राम पंचायत में मौके पर जाकर नल-जल योजना की वर्तमान स्थिति, योजना प्रारंभ है या योजना बंद पड़ी हुई है? ग्राम पंचायत में वर्तमान में पेयजल की स्थिति आदि की जानकारी, पूर्ण-अपूर्ण, ट्रायल रन, प्रगतिरत नलजल योजनाओं से संबंधित निरीक्षण और जांच प्रतिवेदन 3 दिन में मांग लिया।

उपाध्यक्ष के साथ सदस्य भी भूख हड़ताल करेंगे

जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा कि 27 मार्च को साधारण सभा की बैठक हुई थी। इसमें जल जीवन मिशन योजना के तहत विभागीय अधिकारियों को 15 दिन में अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने को कहा गया था, लेकिन 21 अप्रैल का दिन भी बीत गया। बावजूद अब तक न तो कोई रिपोर्ट दी गई और न ही गांवों में पेयजल संकट खत्म हुआ है। वर्तमान में खजूरी, गुनगा, कनेरा, शाहपुरा, देवपुरा, गोलखेड़ी, कोठार, चंदेरी, दुपड़िया, कालापीपल, बागापुरा, तारा सेवनिया, आचारपुरा, करारिया, सेमरीखुर्द, खितवास, चाचाहेड़ी, गोंदीपुरा, परवलिया, बरेलाखेड़ा, लहारपुरा समेत कई पंचायतों में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।

प्रोजेक्ट गांवों में शुरू नहीं और पैसा निकाल लिया

जिपं सदस्य विनय मेहर ने कहा कि अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरकार के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। कई पंचायतें ऐसी हैं, जहां अभी भी नल-जल योजनाएं अधूरी हैं, पर पैसा पूरा निकाल लिया गया है। यदि जल स्तर नीचे चला गया है तो तुरंत वहां पर दूसरा ट्यूबवेल खनन करना चाहिए। ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त पानी मिल सके। बावजूद ऐसा नहीं हो रहा है। इस कारण भोपाल की करीब 95 प्रतिशत नल-जल योजना ठप पड़ी है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए।

कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक में सज्जन सिंह वर्मा ने कहा

निशिकांत दुबे कर रहे संविधान का अपमान, कार्यकर्ता एक-एक घर जाकर बताएंगे सच्चाई

भोपाल। कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक मंगलवार को हुई। जिसमें कई दिग्गज नेता नदारद रहे। वहीं मीटिंग के दौरान पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि हमारी बैठक हुई है और स्पष्ट मुद्दा है। जिस मुद्दे को राहुल गांधी लंबे समय से उठा रहे हैं, वह संविधान बचाओ, जय बापू जय, भीम जय संविधान है। एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी अपने स्वरूप में आ गई है। वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा कहा कि निशिकांत दुबे जैसे लोग भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं। जगदीप धनखड़ जो राज्यसभा के सभापति हैं और जिस ढंग से संविधान के खिलाफ बोल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के खिलाफ बोल रहे हैं। जिस तरह का दोषरोपण कर रहे हैं। निशिकांत दुबे जैसा अधना आदमी भाजपा उसके मुंह से कहलवा रही है।

निशिकांत दुबे कर रहे संविधान का अपमान

सज्जन सिंह वर्मा ने आगे कहा कि निशिकांत दुबे संविधान का अपमान कर रहे हैं और न्याय पालिका का अपमान कर रहे हैं। गलती खुद करते हैं, जिससे दंगे भड़कते हैं और आरोप सुप्रीम कोर्ट पर लगा रहे हैं। इसलिए कांग्रेस ने फिर कमर कसी है कि संविधान बचाओ। कांग्रेस कार्यकर्ता एक-एक घर जाएंगे और लोगों को सच्चाई बताएंगे।

ट्रांसफर पॉलिसी पर सज्जन सिंह वर्मा का बयान

सरकार के ट्रांसफर पॉलिसी लाने पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इससे ट्रांसफर पॉलिसी खुल नहीं जाएगी। ट्रांसफर उद्योग खुल जाएगा। ट्रांसफर भारतीय जनता पार्टी के लिए एक उद्योग है। अभी कुछ इस आईएएस और आईपीएस के ट्रांसफर हुए। उन्होंने कहा कि डराओ मुख्यमंत्री के खजाने में पैसा जमा करो। जिसका ज्यादा पैसा जमा होता है उसका ट्रांसफर होता है। जिसका कम होता है उसका रुक जाता है।

मीटिंग में कई दिग्गज नेता रहे नदारद

इस मीटिंग में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव मौजूद रहे। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, नकुलनाथ, अजय सिंह, डॉ गोविंद सिंह, मीनाक्षी नटराजन, विवेक तंखा नदारद रहे। ऐसे में एक बार फिर गुटबाजी का आरोप लग रहा है। बता दें कि निशिकांत दुबे ने शीर्ष अदालत को निशाना बनाते हुए कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना पर निशाना साधते हुए उन्हें देश में 'सिविल वॉर' के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

एमपी सरकार की लांच होने जा रहीं 4 नई पॉलिसी

आईटी सेक्टर्स के आसमान में नई ऊंची उड़ाने भरेगा मप्र

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की कामयाबी के बाद अब आईटी सेक्टर्स में नई ऊंची उड़ाने भरने के लिए मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के माध्यम से एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव होने जा रहा है। आईटी सेक्टर्स से जुड़े सफल उद्यमियों का कहना है कि शहर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 27 अप्रैल को होने वाला यह कॉन्क्लेव आईटी सेक्टर्स में मप्र को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए मुकाम मुहैया कराएगा।

मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंदौर के महाप्रबंधक द्वारकेश सर्राफ ने बताया कि कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए लगभग 80 आईटी कम्पनियों से सम्बंधित देश-विदेश की कई अहम हस्तियां शामिल होने जा रही हैं। इस एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 में आईटी सेक्टर की दिशा और दशा बदलने वाली जहां 4 नई आईटी पॉलिसी की लांचिंग होगी, वहीं आईटी से सम्बंधित कई प्रोजेक्ट्स के भूमिपूजन के अलावा कई एमओयू साइन करने के अलावा कुछ आईटी कम्पनियों को जमीन के अलॉटमेंट लेटर भी आवंटित किए जाएंगे ।

पंचशील आईटी टेक्नो पार्क से 15000 को रोजगार

सर्राफ के अनुसार एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के दौरान शहर को तब एक और नई सौगात मिलने की शुरुआत होगी, जब सीएम सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत सीसीआईपी के माध्यम से आवंटित 10 एकड़ जमीन पर 20 लाख वर्गफीट का निर्माण कर आईटी बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां शुरुआत में आईटी कम्पनियां लगभग 1000 करोड़ रुपए का निवेश कर 15 000 युवाओ को रोजगार देंगी।

सिंहासा आईटी पार्क में 120 सीटर का इंक्यूबेशन सेंटर

सर्राफ के अनुसार सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क के अलावा मुख्यमंत्री सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित होने जा रहे 120 सीटर वाले इंक्यूबेशन सेंटर की शुरुआत के साथ-साथ 2 नई कम्पनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स का लोकार्पण करेंगे। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत यहां पर 10 हजार 248 वर्गफीट पर 100 स्टार्टअप वाला इंक्यूबेशन सेंटर शुरू किया जाएगा। सीएम इस प्रोजेक्ट का भी वर्चुअली शुभारंभ करेंगे।

इंक्यूबेशन सेंटर में इनकी भी भागीदारी

यह इंक्यूबेशन सेंटर शुरुआत में मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, डिपार्टमेंट साइंस टेक्नोलॉजी के अलावा आईआईटी इंदौर स्थित दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से सात साल तक के लिए शुरू किया जा रहा है। गौरतलब है कि एमपीआईडीसी इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में भी इंक्यूबेशन सेंटर शुरू किया गया था।

मासूम सहित आधा दर्जन लोगो को काटने वाले पागल श्वान को डंडे बरसाकर मारना पड़ा

भोपाल। भोपाल देहात के बैरसिया थाना क्षेत्र में पागल हुए श्वान ने बैरसिया अस्पताल में एक मासूम बच्ची समेत अलग-अलग जगहो पर आधा दर्जन लोगों पर हमला करते हुए उन्हें काटकर घायल कर दिया। लोगो का कहना है की बैरसिया में अस्पताल से लेकर मंदिर तक पागल कुत्ते ने चौबीस घंटे तक जमकर आतंक मचाया। वह पागल हो चुका था, उसके सामने आने वाले करीब आधा दर्जन लोगो पर हमला कर दांत से काटकर घायल कर चुका था। मंगलवार सुबह नगर पालिका कर्मचारियों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह उन पर भी हमला करने लगा। इसके बाद कर्मचारियों ने उस पर डंडे बरसाकर उसको मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के अनुसार पागल हुए आवारा कुत्ते ने 21 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे सबसे पहले शासकीय अस्पताल में अपनी मां के साथ आई हुई दामखेड़ा बैरसिया में रहने वाली तीन साल की मासूम रिया पुत्री रवि पर हमला करते हुए चेहरे से लेकर शरीर में कई जगह काटा कर घायल कर दिया। उसके चीखने की आवाजे सुनकर लोगों ने उसे बचाया। घटना उस समय हुई जब मासूम बच्ची की मां डॉक्टर के पास गई हुई थी। इसके बाद पागल हुआ श्वान वहां से भागकर पास बने मंदिर के पास पहुंचा। यहां उसने दो श्रद्धालुओं पर हमला करके उन्हें काट लिया। इसके बाद उसने तीन अन्य लोगों को भी काट लिया। श्वान के पागल होकर लोगो को काटे जाने की सूचना मिलने पर नगर पालिका टीम उसे पकडने के लिए पहुंची। 21 अप्रैल की रात तलाश के बाद 22 अप्रैल की सुबह वह नजर आया तब नपा कर्मचारियों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन कुत्ते ने उन पर ही हमला करते हुए झूम गया।

संपादकीय

10000 प्रशासनिक अधिकारियों के जिम्मे नागरिकों के मौलिक अधिकार

भारत में 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे मनाया जाता है। भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित किया है। संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के रूप में ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तर्ज पर भारतीय संविधान की रचना की है। संविधान ने सभी की जिम्मेदारी तय की है। संविधान द्वारा न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका को अधिकार और कर्तव्य दोनों ही सुनिश्चित किए गए हैं। संविधान निर्माताओं में से एक स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल, ने 10 अक्टूबर 1949 को सिविल सेवा के अधिकारियों की भूमिका पर मार्गदर्शन देते हुए कहा था। मेरी सलाह है, आप पूरी स्वतंत्रता के साथ कार्य करें। यदि आप मुखिया हैं, तो अपने अधीनस्थ को स्वतंत्रता से बोलने का अवसर दें। अधिकारियों को बिना किसी डर या पक्षपात के अपने विचार रखने की आजादी है। यदि विचार रखने की स्वतंत्रता नहीं होगी, ऐसी स्थिति में भारत का नवनिर्माण नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि मेरा सचिव यदि मेरे किसी विचार से सहमत नहीं है, तो भी वह अपने विचार पूरी स्वतंत्रता के साथ लिख सकता है। प्रशासनिक सेवा के अधिकारी किसी डर और भय के कारण स्पष्ट राय नहीं देते हैं। उसे लगता है, कि मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी नाराज हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक सेवा में रहने का कोई कारण नहीं है। पटेल ने प्रथम संबोधन में सांसदों से अपेक्षा की थी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का सम्मान और उनके अच्छे कार्यों का समर्थन करें। यदि वह लापरवाही और गलत काम करते हैं। ऐसी स्थिति में शासन का ध्यान आकर्षित करें। अच्छे कार्यों की प्रशंसा करें। सरदार पटेल कठोर प्रशासक के रूप में जाने जाते है। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात उन्होंने रियासतों को भारत में विलय करने के लिए जो कार्य किया था। उसकी प्रशंसा आज भी सारी दुनिया में होती है। उन्होंने भारतीय सेवा के अधिकारियों को सजाह देते हुए कहा था। प्रशासन को पूरी तरह से निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएं। सिविल सेवा के अधिकारी को राजनीति में भाग नहीं लेना चाहिए। सांप्रदायिक विवादों में उसे दूर रहना चाहिए। भारतीय सेवा के अधिकारियों से उम्मीद की जाती है। वह बिना किसी डर या पक्षपात के बाहरी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपना कार्य करेंगे। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नेताओं की पीढ़ी में भारतीय सेवा के अधिकारी बेहतर ढंग से संविधान के अनुरूप अपना कार्य कर रहे थे। भारत में जब से गठबंधन की सरकारें आना शुरू हुई हैं। उसके बाद भारतीय सेवा के अधिकारियों में भारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। वह सत्ता के दबाव और प्रलोभन के चलते अपनी भूमिका का सही ढंग से निर्वाह नहीं कर रहे हैं। यही नहीं कह पा रहे हैं। जिसके कारण भारत की कार्यपालिका मैं डर, भय, पक्षपात और भ्रष्टाचार अब सभी और देखने स्थिति विधायिका की हो गई है। जो अपने आप को संविधान से भी सर्वोपरि मानने लगी है। विधायिका को लगता है, चुनाव जीतने के बाद वह जो चाहे कर सकते हैं। न्यायपालिका को संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने जो अधिकार दिए हैं। जज अपने कर्तव्य का पालन नियम कानून और संविधान के अनुरूप करें। न्यायपालिका को संविधान ने सीधे अधिकार नहीं दिए हैं। विधायिका और कार्यपालिका के शासन-प्रशासन तंत्र द्वारा यदि संविधान के अनुसार कार्य नहीं किये जाने पर नियंत्रित करने के अधिकार दिये है। संविधान ने न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका के पर अंकुश बनाये रखने का दायित्व सौंपा है। सरकार का दबाव अब न्यायपालिका के ऊपर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। उसमें न्यायपालिका अब विफल होती हुई दिख रही है। विधायिका और कार्यपालिका ऐसा कोई कानून नहीं बना सकती है। जिससे नागरिकों के या किसी समुदाय के मौलिक अधिकारों का हनन हो। कोई ऐसा नियम भी नहीं बनाया जा सकता है। विधायिका और कार्यपालिका को नियंत्रित करने के लिये संविधान ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को विशेष अधिकार दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यपालों की भूमिका में संघीय व्यवस्था तथा वक्फ कानून को लेकर सही समय पर सही निर्णय करने से सरकार बौखला गई है। सरकार के नुमाइंदे न्यायपालिका के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। शुद्ध हिंदी में कहा जाए तो न्यायपालिका पर दबाव बनाकर उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान रुख से आम नागरिकों का न्यायपालिका के ऊपर भरोसा जागा है, जो पहिले खत्म होता जा रहा था। न्यायपालिका ने पिछले वर्षों में आधे अधूरे निर्णय देकर सरकार के दबाव में सरकार के पक्ष में काम किए है। उससे धारणा बनने लगी थी, न्यायपालिका सरकार के इशारे पर निर्णय कर रही है। यह भ्रम चीफ जस्टिस खन्ना ने पिछले कुछ दिनों में दिए गए फैसले से तोड़ा है। सरकार के संरक्षण के चलते संवैधानिक पदों और कार्यपालिका के अधिकारी संविधान प्रदत्त न्यायपालिका के आदेशों का पालन नहीं कर रहे थे। न्यायपालिका और सरकार के बीच यही टकराव अब चरम पर पहुंच गया है।

– सनत जैन

धधकती धरती: विकास की दौड़ विनाश की ओर ?

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

कपड़ों से पहचान वाया शमशान-क़ब्रिस्तान और अब पंक्चर तक पहुंचा राजनैतिक विमर्श

तनवीर जाफ़री

भारतीय जनता पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता तक जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक रूप से नाम लेते हैं तो उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द ज़रूर लगाते हैं। देश को इसके पहले लंबे समय तक शासन करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्री भी मिले। परन्तु उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द कम से कम स्थाई रूप से इसतरह चिपका हुआ नहीं देखा गया। बजाये इसके वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सरकारों विशेषकर पंडित नेहरू की विभिन्न अवसरों पर आलोचना करते हुये ज़रूर देखा गया।

निश्चित रूप से अपने समर्थकों की नज़रों में नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रतापी,महान,हिन्दू हृदय सम्राट कुछ भी हो सकते हैं। परन्तु देश का निष्पक्ष नागरिक जब यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कांग्रेस के ही उन पूर्व प्रधान मंत्रियों से करता है जिसकी मोदी आलोचना करते हैं तो निश्चित रूप से वह पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी के सार्वजनिक भाषणों की भी तुलना यशस्वी प्रधानमंत्री के भाषणों व उसके मुख्य मुख्य अंशों से ज़रूर करना चाहता है। और यह भी जानना चाहता है कि मात्र बहुसंख्य वोट हासिल करने के लिये क्या कभी इन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा भी ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया जैसी कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा बार बार की जाती है ? क्या इसतरह के भाषण और इस स्तर की भाषा ही हमारे प्रधानमंत्री को यशस्वी प्रधानमंत्री बनाती है ?

पिछले दिनों देश के यही यशस्वी प्रधानमंत्री हरियाणा के हिसार पधारे। यहाँ एक जनसभा में वक़्फ़ कानून का ज़िक्र करते करते कुछ ऐसे शब्द उनके मुंह से निकले जिससे उनका यश रातोंरात चौगुना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यहाँ भी अपनी प्रिय पंच लाइन तो दोहराई ही कि कांग्रेस पार्टी वक़्फ़ को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कह डाला कि- वक़्फ़ की संपत्ति का अगर ईमानदारी से उपयोग हुआ होता तो मुसलमान नौजवानों को साइकिल का पंक्चर बनाकर ज़िंदगी नहीं गुज़ारनी पड़ती। इत्तेफ़ाक़ से जिसदिन प्रधानमंत्री अपने इस बेशक़ीमती वचनों के द्वारा समुदाय विशेष के युवाओं को पंक्चर बनाने वाला युवा बता रहे थे उसी दिन संविधान निर्माता बाबासाहेब की जयंती भी थी। इस बेशक़ीमती वाक्य के उनके मुंह से निकलते ही यशस्वी प्रधानमंत्री को लोगों ने ख़ासकर विपक्ष ने आईना दिखाना शुरू कर दिया।

जो प्रधानमंत्री देश के युवाओं को पकौड़ा बेचने की सलाह देते थे वही पंक्चर जैसे व्यवसाय का मज़ाक़ उड़ाते दिखाई दिये? यहाँ यह याद दिलाना ज़रूरी है कि आज की मंहगाई के समय में पंक्चर बनाने का व्यवसाय शुरू करना भी आसान नहीं है। लाखों रूपये,उपयुक्त स्थान,बिजली,एयर कम्प्रेसर,भरपूर मेहनत और भी बहुत कुछ कुछ चाहिये पंक्चर का व्यवसाय शुरू करने के लिये। वैसे भी यह रोज़गार भीख मांगने या खंजरी बजाने से तो कहीं बेहतर और इज़्ज़त वाला कारोबार है साथ ही यह वाहन चालकों को बड़ी राहत पहुँचाने वाला व्यवसाय है। याद कीजिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा था कि 'भीख मांगना भी देश के 20 करोड़ लोगों का रोज़गार है, जिन्हें किसी ने रोज़गार नहीं दिया उन लोगों को धर्म में रोज़गार मिलता है, जिस परिवार में पांच पैसे की कमाई भी न हो उस परिवार का दिव्यांग और दूसरे सदस्य धार्मिक स्थलों में भीख मांगकर परिवार का गुज़ारा करता है, ये छोटा काम नहीं है।

जरा हटके

बच्चे की दवा लेने निकली महिला को अजगर ने निगला, ढूंढता रहा पति

जकार्ता,(ईएमएस)।

एक विशाल अजगर ने एक महिला को जिंदा निगल लिया। हाल के दिनों में यह दूसरी घटना है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया 36 साल की महिला अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने बाहर निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसे ढूंढने उसका पति निकला। कुछ दूर चलने पर उसके घर से 500 मीटर देर महिला की चप्पल और पेंट नजर आई। वहीं से कूछ दूरी पर उसने देखा कि एक अजगर पड़ा है और उसका पेट फुला है।

बता दें यह घटना इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी प्रांत की है। यहा 36 साल की सिरियाति अपने बीमार बच्चे के लिए दवा लेने निकली थीं, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। घंटों तक पता नहीं चला तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पुलिस ने बताया कि पति आदियानसा को उनके घर से करीब 500 मीटर दूर उसकी चप्पल और पेंट जमीन पर पड़ी मिलीं। वहीं से कुछ ही दूरी एक अजगर था जिसका पेट फूला हुआ था।

उसने तुरंत गांववालों को बुलाया और अजगर के पेट को पकड़कर उसका पेट काटा जिसमें उसकी पत्नी को बाहर निकाला लेकिन जब तक देर हो चुकी थी उसकी पत्नी सिरियाति की मौत हो चुकी थी। यह घटना पहली नहीं है। साउथ सुलावेसी में पिछले महीने भी एक महिला को रेटिकुलेटेड पायथन ने निगल लिया था। इससे पहले 2023 में एक किसान को 8 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था। 2022 में जांबी प्रांत में एक महिला को अजगर ने निगला। 2018 में 54 साल की महिला का शव 7 मीटर लंबे अजगर के पेट से निकाला था। 2017 में एक किसान को 4 मीटर लंबे अजगर ने निगल लिया था।

बता दें रेटिकुलेटेड पायथन दुनिया का सबसे लंबा अजगर माना जाता है और यह दक्षिणी एशिया में पाया जाता है। यह 20 फीट से भी ज्यादा लंबा होता है और कुछ विशेष परिस्थितियों में इंसानों को निगलने में सक्षम है। लंदन के नैचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के मुताबिक अब तक दर्ज सबसे लंबा रेटिकुलेटेड पायथन 1912 में मिला था, जिसकी लंबाई करीब 33 फीट थी। जो कि एक जिराफ से भी लंबा था।

फोटो ऑफ द डे

टोरंटो में एक बैंड बीच लायंस ईस्टर परेड में बनी ईयर हैडफ़ोन लगाये हुए कार्यक्रम पेश करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

राज काज

योगी पर भड़की ममता दीदी

वक्फ कानून पास होने के बादपश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़क गई। उसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान दिया। बंगाल जल रहा है, मुख्यमंत्री चुप हैं। इस पर ममता दीदी ने तीखी प्रक्रिया देते हुए बाबा योगी आदित्यनाथ को कहा, वह बड़ी-बड़ी सीख ना दें। महाकुंभ में जो लोग मारे गए हैं, और जो गायब हैं। उनकी संख्या और सूची उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बता पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ में लोगों को मारा जा रहा है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था किस हालत में है। जिस तरह से ममता दीदी ने योगी आदित्यनाथ को ललकारा है। उससे लगता है, ममता दीदी आर पार की लड़ाई में हैं। मुर्शिदाबाद में हुई घटना को लेकर उन्होंने हिंदी भाषी राज्यों से लोगों को लाकर दंगा कराने का आरोप भाजपा और गृहमंत्री पर लगा दिया है। इससे लगता है कि अब ममता दीदी दबने वाली नहीं है। जल्दी पश्चिम बंगाल में कुछ भाजपा नेताओं के ऊपर मुकदमे दर्ज हो जाएंगे। उन्हें जल्द जेल भेजा जाएगा।

जस्टिस गवई पर नहीं है, भाजपा को भरोसा?

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी का नाम केंद्र सरकार को भेज दिया है। चीफ जस्टिस के रूप में वरिष्ठता क्रम में बीआर गवई का नाम था। केंद्र सरकार से पूछे बिना गवई का नाम भेजने से सरकार और भाजपा नाराज है। सरकार खुलकर कुछ बोल नहीं पा रही है। सुप्रीम कोर्ट के 52 वे मुख्य न्यायाधीश बनने का उनका रास्ता साफ हो गया है। 15 मई को जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल खत्म होगा। वह सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनेंगे। उनका कार्यकाल 7 महीने का होगा। उनके बहुत से फैसले सरकार को पसंद नहीं हैं।

देश में जगह-जगह बगावत अब ईड़ी के खिलाफ प्रदर्शन

पछले कुछ महीनो से सरकार के खिलाफ जगह-जगह बगावत देखने को मिल रही है। भाजपा को 240 सीटें क्या मिली। उसके बाद इंडिया गठबंधन एनडीए गठबंधन दोनों से ही सरकार को चुनौती मिलने लगी। अब ईडी और सीबीआई से भी लोग नहीं डर रहे हैं। अब ईड़ी के खिलाफ जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। राजस्थान में ईडी के अधिकारियों को घेर लिया गया। वहां पर भाजपा की सरकार है। अब राजनीतिक दलों के नेताओं को ईडी का डर नहीं रह गया है। रही सही कसर न्याय पालिका निकाल रही है। कई मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने तरह-तरह के नियम बना दिए हैं। ईड़ी को जो अपार शक्ति यां मिली हुई थी, उसमें कटौती हो गई है। अब ईड़ी के लिए संभव नहीं रहा, वह जबरदस्ती किसी को फंसा सके।

व्यंग्य

अजूबे और भी हैं इंडिया में!

–गुरमीत बेदी

अपना ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में शुमार हो गया, इसके लिए अख़बार वालों और मोबाइल वालों का स्पैशल कोटि-कोटि थैंक्स! अपने इंडिया में मीडिया और मोबाइल नहीं होता तो पब्लिक की आवाज़ वर्ल्ड अजूबा सिलैक्शन कमेटी तक कैसे पहुँचती? (यहाँ तो सरकार के कानों तक आवाज़ पहुँच जाए तो यह अजूबा होता है) पब्लिक की आवाज़ दुनिया तक नहीं पहुँचती तो दुनिया को कैसे पता चलता कि इंडिया में भले ही पुत्र रत्न की चाहत में लोग अपने प्यार की फ़ीमेल निशानी को गर्भ में ही ख़त्म कर देते हों लेकिन शाहजहाँ के प्रेम की निशानी को अपने दिल से लगा कर रखते हैं। यानी इंडिया वालों के प्रेम के मामले में दुहरे मापदंड हैं।

या यों कह लीजिए कि इंडियन्ज अपने प्यार की बजाये दूसरों के प्रेम के प्रति ज़्यादा-ज़्यादा सैंसटिव, ज़्यादा इमोशनल और ज़्यादा ऐक्साइटमैंट वाले होते हैं। दूसरों की प्रेम कहानियों को वे भोजन के साथ सलाद के रूप में ग्रहण करते हैं। इससे उन्हें स्पेशल प्रोटीन की प्राप्ति होती है, जिससे वे ऊर्जावान बने रहते हैं। यहाँ तो कब्र में पैर लटकाए बैठे किसी बूढ़े मर्द को भी किसी के प्रेम प्रसंग का लफड़ा सुना दिया जाए तो कब्र से पाँव हटाकर अपने खुश्क होंठों पर जीभ फेरने लगता है। इंडिया में जिस दिन चैनल वाले प्रोफ़ेसर मुटुकनाथ और और उनकी फ़ीमेल स्टूडैंट जूली की प्रेम कहानी की पुनरावृति के प्रसंग टी0वी0 पर दिखाते हैं, उस दिन इंडियन्ज दर्शकों के चेहरे पर शाइनिंग देखते ही बनती है। महँगाई की दुनिया से निकल कर वे प्रेम की दुनिया में पहुँच जाते हैं और यह भी भूल जाते हैं कि बच्चों की फीस भरने के लिए बटुआ जवाब दे चुका है। है न यह भी एक अजूबा! ताज्जुब की बात है कि वर्ल्ड अजूबा सेलेक्शन कमेटी की नज़र इंडिया के इस अजूबे पर क्यों नहीं पड़ी? अगर पड़ जाती तो ताज पीछे छूट जाता और शाहजहाँ व उनकी वाईफ मुमताज की आत्माएँ इस ब्रह्मांड में घूमती हुईं झुनझुने बजाती रहतीं! वैसे इंडिया में ताज के अलावा और अजूबे भी है। इनमें ताज कोरीडोर मामले की हम चर्चा नहीं करेंगे। यह लक्स कोज़ी बनियान की तरह माया और यू0पी0ए0 के बीच अंदर की बात है। ताज के अलावा अपने इंडिया में और भी कई अजूबे हैं, जिन पर हम सिलसिलेवार चर्चा करेंगे। मीडिया से हमारा विशेष अनुरोध रहेगा कि वह इन अजूबों को दूसरे फ़ालतू लफड़ों की तरह बड़ी एक्साइटमैंट के साथ हाई-लाईट करे ताकि भविष्य में जब भी दुनिया के सात अजूबों पर कोई कमेटी पुनः विचार करने बैठे तो इंडिया के सात अजूबे ही विश्व के सात अजूबों में शामिल हो जाएँ। इससे दुनिया में इंडिया की रेपूटेशन बढ़ेगी। रेपूटेशन बढ़ने से टूरिस्टों की इंडिया में आमद बढ़ेगी, जिससे देश और देश वासियों की इकानोमी में ज़बरदस्त मज़बूती आएगी और हम वर्ल्ड बैंक व दूसरी एजैंसियों के आगे कटोरा लेकर खड़े होने के झंझट से बच जाएँगे। यह भी हो सकता है कि उल्टा वर्ल्ड बैंक व दूसरी एजैंसियाँ हमारे मुल्क के कर्णधारों के आगे कटोरा लेकर खड़ी हो जाएँ और मुल्क के कर्णधारों को फंडिंग के एवज में कमीशन खाने का बैठे-बिठाए मौका मिल जाए। ताज के अलावा इंडिया में अजूबा नंबर-टू यह है कि यहाँ के व्यवस्था तंत्र में भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे तक समाया हुआ है और हर चुनाव में 'वोट अगेंस्ट करप्शन' का नारा उछलने के बाबजूद व्यवस्था तंत्र पीसा की मीनार की तरह वहीं का वहीं जमा रहता है।

सुविचार

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। – जे. के. रालिंग

मुझे आने वाले कल का भय नहीं है क्योंकि मैंने बीता हुआ कल देखा है और मुझे आज से प्यार है।

– विलियम ए व्हाइट

प्रसंग

युवक की ईमानदारी

एक बार राजा भोज अपने दरबार में बैठे थे, तभी द्वारपाल ने आकर ए सूचना दी, महाराज, एक दुबला-पतला, अत्यंत नर्धिन युवक आपसे मिलना चाहता है। हमने उससे पूछने की बहुत कोशिश की कि आखिर वह आपसे क्यों मिलना चाहता है, पर वह कुछ नहीं बता रहा । वह बस आपसे मिलने की रट लगाए हुए है। राजा भोज ने उस निर्धन युवक को बुलाने की अनुमति दे दी । वह युवक अंदर आया और राजा को नमस्कार कर बोला, महाराज, मेरी मां की तबीयत बहुत खराब है। इसलिए मैं मदद के लिए आपके पास चला आया। भोज ने यह सुनकर कहा, तुम्हारी मां का इलाज होना ही चाहिए। उन्होंने अपने खजांची से उस निर्धन युवक को एक हजार स्वर्ण मुद्राएं देने को कहा। युवक बोला, क्षमा करिए, मां की चिकित्सा के लिए पचास स्वर्ण मुद्राएं ही पर्याप्त हैं। मां के स्वस्थ होने पर मैं कोई न कोई काम अवश्य ढूंढ लूंगा। युवक की यह बात सुनकर राजा भोज समेत वहां उपस्थित सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। भोज बोले, युवक, मैं तुम्हें स्वेच्छा से एक हजार स्वर्ण मुद्राएं दे रहा हूं किंतु तुम उन्हें लेने से इनकार क्यों कर रहे हो? युवक ने उत्तर दिया, महाराज, मैं लेने से इनकार नहीं कर रहा किंतु इस समय मुझे वास्तव में मात्र पचास स्वर्ण मुद्राओं की आवश्यकता है। फिर मैं अधिक क्यों लूं ? राजकोष का धन भी तो हमारा ही है और यदि हम उसे व्यर्थ बर्बाद करेंगे तो अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को आगे धन नहीं मिल पाएगा और संभव है कि आगे चलकर आप जैसे नेक व दयालु राजा भी न हों। इसलिए हर व्यक्ति को राजकोष से उतनी ही सहायता लेनी चाहिए जितनी उसे सचमुच आवश्यकता हो।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

रोचक

वैज्ञानिकों ने किया लैब में असली दांत उगाने का दावा

लंदन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने अब लैब में असली दांत उगाने का दावा किया है। किंग्स कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने इस क्रांतिकारी शोध में सफलता पाई है, और अब उनका लक्ष्य यह है कि ये दांत इंसानों के जबड़े में स्वाभाविक रूप से उग आएं। इसका मतलब यह है कि भविष्य में दांत खोने पर नकली दांतों या इम्प्लांट की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि दांत अपने आप वापस उग आएंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसान के दूध के दांत गिरने के बाद एक बार जब नए दांत आते हैं, उसके बाद दांत फिर से नहीं उगते। यही कारण है कि लोग खराब दांतों को ठीक करने के लिए इम्प्लांट करवाते हैं। लेकिन अब इस नई शोध के बाद, इम्प्लांट की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किंग्स कॉलेज लंदन की एक टीम ने एक ऐसा मैटेरियल विकसित किया है, जो दांतों के उगने के लिए आवश्यक उपयुक्त वातावरण तैयार कर सकता है। यह पदार्थ दिमाग को संकेत देता है, जिससे कोशिकाएं दांतों के विकास की प्रक्रिया शुरू कर देती हैं। इस शोध के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एना एंजेलोवा का कहना है कि अब तक दांतों को दोबारा उगाने की कोशिशें कई बार की गई थीं, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। हालांकि, इस बार लैब में दांत उगाने में सफलता मिली है, जो डेंटल केयर के क्षेत्र में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। जब किसी का दांत टूटता है या खराब हो जाता है, तो आजकल लोग फिलिंग या नकली दांतों का सहारा लेते हैं।

सऊदी अरब ने 4,700 से अधिक पाकिस्तानी भिखारियों को देश से निकाला

रक्षा मंत्री ने माना, ये हमारे लिए शर्मिंदगी का कारण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने 4,700 से अधिक पाकिस्तानी भिखारियों को वापस भेज दिया है। ये लोग कथित तौर पर फर्जी वीजा और उमराह या हज के बहाने सऊदी पहुंचे थे, लेकिन वहां अवैध रूप से भीख मांगते पकड़े गए। घटना को पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बताया जा रहा है। रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा, पाकिस्तान में करीब 2.2 करोड़ भिखारी हैं, जो सालाना 42 अरब रुपये कमाते हैं। ये लोग विदेशों में भीख मांगकर देश की छवि को खराब कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में भीख मांगने के खिलाफ सख्त कानून हैं, जिसके तहत भिखारियों को जुर्माना, जेल और निर्वासन का सामना करना पड़ता है। मंत्री ने बताया कि मध्य पूर्वी देशों से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी भिखारियों को निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सऊदी अरब ने करीब 4,700 पाकिस्तानी भिखारियों को देश से निकाला है। इससे पहले खुद पाकिस्तान की केंद्रीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि सऊदी अरब ने 2021 से 2024 के बीच 4,000 भिखारियों को पाकिस्तान वापस भेजा। एफआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन निर्वासित भिखारियों का संबंध मुख्य रूप से दक्षिण पंजाब, कराची और आंतरिक सिंध क्षेत्रों से है। उन्होंने कहा कि इसतरह के पेशेवर भिखारी सजा पूरी करने के बाद जैसे ही पाकिस्तान लौटते हैं, तब उनके नाम एफआईए के इमिग्रेशन विभाग की पासपोर्ट कंट्रोल लिस्ट (पीसीएल) में डाल दिए जाते हैं ताकि वे भविष्य में विदेश यात्रा न कर सकें। ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट के व्यापारिक समुदाय से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अपना बैंक स्थापित करने की अपील भी की। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनकी कैबिनेट व्यापार समुदाय से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए काम कर रही है।

पाकिस्तान सरकार ने भिखारियों के मुद्दे को गंभीरता से लेकर नवंबर 2024 में 4,300 भिखारियों के नाम एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) में शामिल किए थे।

सना में अमेरिकी हमले के बाद फरवाह बाजार में हुए नुकसान को देखते हुए लोग।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फंडिंग रोकी तो ट्रंप सरकार पर ठोंक दिया मुकदमा

बोस्टन। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फंडिंग रोकने और उसकी समीक्षा करने जैसे आदेश दिए थे। इससे नाराज यूनिवर्सिटी प्रशासन ने ट्रंप सरकार पर मुकद्दमा ठोंक दिया है। साथ ही दावा किया है कि वो इस मामले में अमेरिकी सरकार के आगे झुकेंगे नहीं।

बता दें यह मुकदमा प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय के 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के अनुदान को रोकने के लिए किया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की उन मांगों को मानने से इनकार कर दिया, जिसमें कैंपस में एक्टिविज्म को सीमित करने की बात कही गई थी। यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस फंडिंग फ्रीज को अवैध और सरकार के अधिकार से परे करार दिया। इस माह 11 अप्रैल को, ट्रंप

प्रशासन ने हार्वर्ड को एक पत्र भेजा था जिसमें विश्वविद्यालय में व्यापक सरकारी और नेतृत्व सुधारों की मांग की गई थी और इसके प्रवेश नीतियों में बदलाव की बात कही गई थी। प्रशासन ने यह भी मांग की थी कि विश्वविद्यालय अपने कैंपस में विविधता के दृष्टिकोण का ऑडिट करे और कुछ छात्र क्लबों को मान्यता देना बंद करे। इसके बाद, हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि विश्वविद्यालय इन मांगों के आगे नहीं झुकेगा। इसके जवाब में, सरकार ने अरबों डॉलर की संघीय फंडिंग को रोक दिया।

फंडिंग फ्रीज को मनमाना और तानाशाही बताते हुए हार्वर्ड के मुकदमे में कहा गया कि यह उसके पहले संशोधन के अधिकारों और सिविल राइट्स एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। इस बयान के कुछ ही घंटों बाद व्हाइट हाउस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने सोमवार को एक ईमेल में कहा, हार्वर्ड जैसे संस्थानों को मिलने वाली संघीय सहायता, जो संघर्षरत अमेरिकी परिवारों के टैक्स डॉलर से अपने अत्यधिक वेतन पाने वाले नौकरशाहों को समृद्ध करती है, अब समाप्त हो रही है।

ट्रम्प सरकार हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर दबाव डालकर कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती

हार्वर्ड पहुंचा कोर्ट, संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने का लगाया आरोप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार यूनिवर्सिटी पर राजनीतिक दबाव डालकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड ने इसे यूनिवर्सिटी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बता दें ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2.2 अरब डॉलर फंडिंग पर रोक लगा दी है। साथ ही यह भी मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकने की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा था। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया है कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स ने आरोप लगाया है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है।

म्यांमार की अराकान आर्मी बांग्लादेश के अंदर घुसी, देखती रही यूनुस की सेना

ढाका। म्यांमार के सैन्य शासन से जंग करके रखाइन प्रांत पर कब्जा करने वाली अराकान आर्मी ने बांग्लादेश के 10 किलोमीटर अंदर आकर एक समारोह में भाग लिया। इस दौरान उसे बांग्लादेशी सेना से किसी तरह के प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। अराकान आर्मी की इस घुसपैठ की बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के महासचिव और पूर्व सांसद मिया गुलाम परवर ने निंदा की है। अराकान आर्मी के बांग्लादेश के अंदर घुसने की खबर ऐसे समय में आई है, जब बांग्लादेशी सेना अमेरिकी योजना के तहत म्यांमार में अभियान की तैयारी कर रही है। अराकान आर्मी की बांग्लादेश में घुसपैठ की घटना हाल ही में 16 और 17 अप्रैल को बंदरबन जिले के थांची उपजिला में हुई थी। बांग्लादेश के सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस घटना पर हैरानी जताई है। अराकान आर्मी के सदस्य अपनी सैन्य वर्दी और हथियारों के साथ बांग्लादेश के अंदर आए थे।

आज का इतिहास 23 अप्रैल

1533 कैथोलिक चर्च ने इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम और अरागान की कैथरीन का विवाह अवैध करार दिया.
1564 विलियम शेक्सपियर का जन्म हुआ.
1774 ब्रिटिश कमांडर कर्नल चैयरमैन के नेतृत्व में अंग्रेजों ने रूहेलखंड पर कब्जा किया.
1873 उत्तर पश्चिम सुमात्र में आशिन के सुलतान और डच फौजों में युद्ध भड़का.
1895 चीन का कुछ भाग जापान को दिए जाने पर रूस,फ्रांस और जर्मनी ने विरोध दर्ज किया.
1904 अमेरिका ने फ्रांस के पनामा नहर कंपनी की सम्पति अपने कब्जे में ले ली.
1935 नौ वर्ष तक विचार-विर्मश करने के बाद पोलैंड का संविधान स्वीकार किया गया.
1965 फ्रांस ने दक्षिण पूर्व एशिया संधि संगठन से अपने नौ सैनिक बेड़े को हटा लिया.
1972 अपोलो-16 अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद से धरती की वापसी यात्रा शुरू की.
1975 दक्षिण वियतनाम सरकार ने इस्तीफा दिया.
1983 त्रिपोली में वाहन बम विस्फोट में 54 व्यक्ति मारे गये और 125 अन्य घायल हो गये.

प्रसंगतः पुरस्कार

पुराने जमाने में एक राजा था। उसे सुंदर इमारतें बनवाने का शौक था। उसने दूर-दूर से कुशल शिल्पियों को अपने राज्य में बुला रखा था ताकि वे राज्य में और सुंदर-सुंदर इमारतों व विशाल प्रासादों और भवनों का निर्माण कर सकें। राजा शिल्पियों का आदर भी करता था और उन्हें उचित पारिश्रमिक के अलावा पुरस्कार भी देता था। इन्हीं शिल्पियों में एक अत्यंत अनुभवी शिल्पी भी था जो अब वृद्ध हो गया था। उसने वर्षों तक राज्य की सेवा करते हुए अनेक उत्कृष्ट भवनों का निर्माण किया था। एक दिन वृद्ध शिल्पी ने राजा से कहा, 'महाराज मैंने जीवन भर राज्य की सेवा की है लेकिन अब मैं वृद्ध हो गया हूं इसलिए मुझे राज्य की सेवा से मुक्त करने की कृपा करें।' राजा ने वृद्ध शिल्पी की बात बड़े ध्यानपूर्वक सुनी और उससे कहा, 'महान शिल्पी आपकी सेवाओं के लिए मैं ही नहीं, पूरा राज्य आपका कृतज्ञ है। आपको सेवानिवृत्त होने का पूरा अधिकार है लेकिन मेरी ख्वाहिश है कि सेवानिवृत्ति से पहले आप मेरे लिए एक भवन और बनाओ जो आज तक बने सभी भवनों से श्रेष्ठ व उत्कृष्ट हो'। शिल्पी राजा की ख्वाहिश को कैसे टाल सकता था! वह भवन बनाने में जुट गया लेकिन बेमन से। उसने उस श्रेष्ठता व उत्कृष्टता का परिचय नहीं दिया जिसकी उससे अपेक्षा थी। बस किसी तरह भवन पूरा कर दिया और राजा से पुनः सेवामुक्ति की प्रार्थना की। राजा ने कहा, 'मैं आपकी कला से अत्यंत प्रभावित हूं और इसीलिए मैंने आपसे इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण करवाया है ताकि आपको पुरस्कार स्वरूप यह भवन दे सकूं।'

दैनिक पंचांग

23 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	08.47 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	11.00 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.16 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.28 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.39 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.53 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.09 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.15 बजे से
राहुकाल		कुंभ	02.01 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मीन	03.34 बजे से
		मेष	05.04 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 113 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 16.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 12.08 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 18.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 05.34 बजे, विष्टि 16.44 बजे तदनन्तर बव 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872323 **जूलियन दिन** 2460788.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि दसवी, बुधवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, शुभ योगे, विवकरणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा 14/22, जातकर्म, नामाकरण औषधि सेवन द्विरागमन हल प्रवाहन व्यापार वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, सुंदर, सुशील, बैंक कर्मचारी, लेखापाल, अकाउंटेंट, लिपिक, कैशियर, कम्प्यूटर इंजीनियर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर होगा।

मेष राशिः उन्नति, वाहनभय, शरीर-कष्ट, घरु-प्रवास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।
वृष राशिः खर्च, विद्या-बाधा, शुभ कार्य में खर्च, कष्ट, मांगलिक कार्य होगा, शुभ समाचार मिले।
मिथुन राशिः राज से हानि, घरु-विवाद, आय-व्यय, शिक्षा-लेखन कार्य में रुकावट का योग बनेगा।
कर्क राशिः संतान कष्ट, अधिक खर्च, शुभ धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्य में बाधा बनेगी।
सिंह राशिः सफलता से हर्ष, भय, तबादला, प्रसन्नता के योग बनेंगे, व्यापारिक सुख निश्चित ही मिलेगा।
कन्या राशिः हानि, अपव्यय, रोग, मातृकष्ट, शिक्षा जगत संतोषप्रद रहेगा, ध्यान दें।
तुला राशिः लाभ, संतोष, सुख, रोगभय, झंझट, लेखन कार्य में सामान्य प्रगति का योग बनेगा।
वृश्चिक राशिः संतान लाभ, अभीष्ट-सिद्धी, स्वजन कार्यकष्ट, कार्यसिद्धी, यश, संतान-पुत्र से उपेक्षा होगी।
धनु राशिः यात्रा में कष्टभय, स्त्री-कष्ट, कार्य-सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य में व्यय होगा।
मकर राशिः विवाद, यात्रा कष्ट, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य होगी।
कुंभ राशिः शुभ कार्य, भय, मुकदमे में जीत, धार्मिक कार्य होंगे, कुछ अच्छे कार्य सिद्ध होंगे।
मीन राशिः रोगभय, अभीष्ट-सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन होती रहेगी, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

ग्लोबल वैनगार्ड ऑनर से सम्मानित होंगी प्रियंका चोपड़ा जोनास

वाशिंगटन। गोल्ड हाउस एशियाई-प्रशांत और बहुसांस्कृतिक समुदाय को एकजुट करने वाला संगठन, 10 मई, 2025 को अपने चौथे वार्षिक गोल्ड गाला की मेजबानी करेगा। प्रतिष्ठित कार्यक्रम में ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा जोनास को ग्लोबल वैनगार्ड ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। प्रियंका को यह सम्मान हिंदी सिनेमा और हॉलीवुड के बीच एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक सेतु बनाने, कम प्रतिनिधित्व वाली आवाजों को बढ़ावा देने और विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली मंच स्थापित करने के लिए दिया जा रहा है। चोपड़ा जोनास को टाइम 100 और फोर्ब्स की सबसे शक्तिशाली महिला जैसी प्रतिष्ठित सूचियों में भी स्थान मिला है। यह गाला 2025 की ए100 सूची का भी जश्न मनाएगा, जिसमें संस्कृति में 100 सबसे प्रभावशाली एशियाई प्रशांत नेताओं को शामिल किया जाएगा। इस वर्ष के गाला की थीम फर्स्ट लाइट्स है, जो उन पथप्रदर्शकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए दूसरों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। प्रियंका के अतिरिक्त, कई अन्य उल्लेखनीय हस्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा। ऑस्कर विजेता निर्देशक एंग ली को उनकी आजीवन उपलब्धियों के लिए गोल्ड लीजेंड ऑनर मिलेगा, पोकेमॉन कंपनी के सीईओ त्सुनेकाजु इशीहारा को पिकाचु के साथ सम्मानित किया जाएगा, और न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग लेखिका मिन जिन ली को भी गोल्ड लीजेंड ऑनर दिया जाएगा। ग्रैमी विजेता कलाकार मेगन थी स्टैलियन को संगीत, फैशन और एनीमे में एशियाई प्रशांत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वन हाउस ऑनर से नवाजा जाएगा। मोआना 2 के कलाकार और निर्माताओं को पासिफ्का कहानियों के प्रतिनिधित्व के लिए गोल्ड एन्सेम्बल ऑनर मिलेगा, जबकि गायिका-गीतकार लॉफ़ी को उनके कलात्मक प्रभाव के लिए बिलबोर्ड गोल्ड रिकॉर्ड ऑनर प्राप्त होगा। एंडरसन.पाक को उनकी बहुमुखी सफलता के लिए गोल्ड मोगुल ऑनर और पेरप्लेक्सिटी एआई के सीईओ अरविंद श्रीनिवास को व्यापार और प्रौद्योगिकी में उनके नेतृत्व के लिए ए1 पुरस्कार मिलेगा।

इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम के लिए नया फॉर्मूला तैयार, इजराइल की प्रतिक्रिया का इंतजार

यरुशलम। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम वार्ता की मध्यस्थता कर रहे मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने गाजा में शांति के लिए नया फॉर्मूला तैयार किया है। प्रस्ताव में गाजा में पांच से सात साल का युद्ध विराम, इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, युद्ध का औपचारिक अंत और गाजा से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी की बात कही गई है। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए हमास का प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचने वाला था।

इसके पहले इजरायल और हमास युद्धविराम पर सहमत हुए थे, जो बीते मार्च महीने में टूट गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा पर बमबारी फिर से शुरू कर दी थी। इजरायल ने मध्यस्थों की योजना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रस्ताव पर काहिरा में चर्चा होने वाली है, जिसमें हमास के राजनीतिक परिषद के प्रमुख मोहम्मद दरवेश और उसके मुख्य वार्ताकार खलील अल-हय्या करने वाले है। इसके पहले हमास ने इजरायल के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार किया था, जिसमें छह सप्ताह के युद्धविराम के बदले में हमास से निरस्त्रीकरण की मांग शामिल थी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वीडियो संदेश जारी किया था, जिसमें हमास के आगे सरेंडर नहीं करने की बात कही थी।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय अधिकारी कर्मचारी निगम मंडल एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने ज्ञापन सौंपा

दमोह। प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के शासकीय सेवकों निगम मंडल पेंशनर्स की लंबित मांगों को पूर्ण करने के लिए 53 सूत्रीय मांगों का माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम कलेक्टर दमोह को ज्ञापन सोपा। संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री आरके मिश्रा ने बताया की प्रदेश के शासकीय कर्मचारी और पेंशनर्स की 53 सूत्रीय मांगों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी को तीसरी बार ज्ञापन दिया गया है इसमें पुरानी पेंशन बहाल की जाए शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से व्यवस्था दी जाए प्रदेश के शासकीय सेवकों के केंद्र के समान ग्रह भट्ट भाड़ा दिया जाए अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसी में सरलीकरण किया जाए लिपिक वर्ग की ग्रेडपे और सुधार किया जावे केंद्र के समान महंगाई भत्ता केंद्रीय तिथि से एरियाज के साथ दिया जाए नवीन भारती में 70 80 90 वेतन के स्थान पर पूर्ण वेतन दिया जाए पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ धारा 49 समाप्त की जाए प्रदेश में सभी शासकीय सेवकों की सेवा निवृत्ति आयु एक समान की जाए शासकीय सेवकों पेंशनर्स को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की जाए भारती का पद नाम परिवर्तन किया जाए निगम मंडलों में पेंशन योजना लागू की जाए आउटसोर्स कर्मियों को नियमित किया जाए कर भारत कर्मचारी को अवकाश नगदी कारण का लाभ दिया जाए प्रदेश में सभी विभागों में अप अटेंडेंस समाप्त की जाए इसके अलावा 53 सूत्रीय मांगे रखी है इस ज्ञापन में मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित सिंह,कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ,मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रोशन नायक आजाद अध्यापक शिक्षक संघ की कार्यवाहक अध्यक्ष अभय भट्ट अजाक्स संघ तहसील अध्यक्ष हरीश अहिरवाल मध्य प्रदेश सहायक शिक्षक संघर्ष संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक डॉक्टर रमेश आठिया,मध्य प्रदेश अजेक्स के संभागीय महासचिव मुकेश कुमार अहिरवार मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी निगम मंडल एवं पेंशनर्स संघ के संभागीय सचिव नीरज पांडे आजाद अध्यापक संघ के खिलान सिंह ठाकुर प्रांतीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर समग्र शिक्षा उत्थान संघ के जिला अध्यक्ष पी एल अहिरवाल, रामा रावत ,एम एल सरैया कार्यवाहक अध्यक्ष पेंशनर समाज दमोह श्री एचडी प्रधान अनुराग श्रीवास्तव, ऋषि उपाध्याय आदि साथियों की उपस्थिति में उपरोक्त ज्ञापन दिया गया।

शासकीय अधिकारी कर्मचारी निगम मंडल एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने ज्ञापन सौंपा

दमोह। प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के शासकीय सेवकों निगम मंडल पेंशनर्स की लंबित मांगों को पूर्ण करने के लिए 53 सूत्रीय मांगों का माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम कलेक्टर दमोह को ज्ञापन सोपा। संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री आर के मिश्रा ने बताया की प्रदेश के शासकीय कर्मचारी और पेंशनर्स की 53 सूत्रीय मांगों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी को तीसरी बार ज्ञापन दिया गया है इसमें पुरानी पेंशन बहाल की जाए शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से व्यवस्था दी जाए प्रदेश के शासकीय सेवकों के केंद्र के समान ग्रह भट्ट भाड़ा दिया जाए अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसी में सरलीकरण किया जाए लिपिक वर्ग की ग्रेड पे और सुधार किया जावे केंद्र के समान महंगाई भत्ता केंद्रीय तिथि से एरियाज के साथ दिया जाए नवीन भारती में 70,80,90 वेतन के स्थान पर पूर्ण वेतन दिया जाए पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ धारा 49 समाप्त की जाए प्रदेश में सभी शासकीय सेवकों की सेवा निवृत्ति आयु एक समान की जाए शासकीय सेवकों पेंशनर्स को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की जाए भारती का पद नाम परिवर्तन किया जाए निगम मंडलों में पेंशन योजना लागू की जाए आउटसोर्स कर्मियों को नियमित किया जाए कर भारत कर्मचारी को अवकाश नगदी कारण का लाभ दिया जाए प्रदेश में सभी विभागों में अप अटेंडेंस समाप्त की जाए इसके अलावा 53 सूत्रीय मांगे रखी है इस ज्ञापन में मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित सिंह,कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ,मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रोशन नायक आजाद अध्यापक शिक्षक संघ की कार्यवाहक अध्यक्ष अभय भट्ट अजाक्स संघ तहसील अध्यक्ष हरीश अहिरवाल मध्य प्रदेश सहायक शिक्षक संघर्ष संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक डॉक्टर रमेश आठिया,मध्य प्रदेश अजेक्स के संभागीय महासचिव मुकेश कुमार अहिरवार मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी निगम मंडल एवं पेंशनर्स संघ के संभागीय सचिव नीरज पांडे आजाद अध्यापक संघ के खिलान सिंह ठाकुर प्रांतीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर समग्र शिक्षा उत्थान संघ के जिला अध्यक्ष पी एल अहिरवाल, रामा रावत ,एम एल सरैया कार्यवाहक अध्यक्ष पेंशनर समाज दमोह श्री एचडी प्रधान अनुराग श्रीवास्तव, ऋषि उपाध्याय आदि साथियों की उपस्थिति में उपरोक्त ज्ञापन दिया गया।

सीएमओ को लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा

खिरकिया। नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को भोपाल लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) आत्माराम सांवरे को रिश्वत लेते पकड़ा है।

फरियादी भगवान दास सेन ने लोकायुक्त को शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि सीएमओ ने मकान बनाने की परमिशन के लिए 5000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त की 10 सदस्यीय टीम ने छापा मारा आत्माराम सांवरे लंबे समय से नगर परिषद कार्यालय में सीएमओ के पद परिषद कार्यालय में सीएमओ के पद पर कार्यरत हैं। लोकायुक्त टीम ने उन्हें कार्यालय में ही रिश्वत लेते हुए पकड़ा लोकायुक्त टी आई गणेश मास्कुले ने बताया कि आरोपी द्वारा आवेदक के भवन निर्माण की अनुमति के लिए 5 हज़ार रुपये की रिश्वत की माँग किये जाने पर उक्त शिकायत का सत्यापन कराया गया, आरोपी द्वारा रिश्वत राशि लेकर मंगलवार को अपने कार्यालय बुलाया था। घटना सही पाये जाने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर आज दिनांक को लोकायुक्त टीम द्वारा 5000/- रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगें हाथों पकड़ा गया है। ट्रेप दल- निरीक्षक जी.एस. मर्सकोले,प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी, मुकेश पटेल, यशवंत सिंह ठाकुर, आरक्षक मुकेश परमार, चैतन्य प्रताप सिंह, अमित विश्वकर्मा द्वारा कार्यवाही की जा रही है। टीम अब मामले की आगे की जांच कर रही है।

विवेकानंद महाविद्यालय मैहर में व्याख्यान का आयोजन

मैहर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मैहर में 22 अप्रैल को एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अथिति जनभागीदारी अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, मुख्य वक्ता डॉ. देवेंद्र पांडेय अध्यक्ष ग्रामीण प्रबंधन विभाग, ग्रामोदय विश्व विद्यालय चित्रकूट महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मां शारदा का पूजन वंदन, अतिथि स्वागत भाषण एवं मुख्य वक्ता का परिचय युवा संसाधन केंद्र के प्रभारी डॉ. एसके पांडेय द्वारा दिया गया। तत्पश्चात डॉ. देवेंद्र पांडेय ने ग्रामीण प्रबंधन का महत्व बताते हुए ग्रामोदय विश्व विद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं रोजगार के अवसरो की विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ. एके गौतम वरिष्ठ प्राध्यापक, जन भागीदारी अध्यक्ष संतोष पाण्डेय एवं प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह ने भी काउंसलिंग सत्र में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र मुख्य वक्ता को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन टीपीओ प्रो.शैलेंद्र प्रताप द्वारा ब्यक्त किया गया।

अवैध रूप से वन्य प्राणियों के शिकार आरोपी हुए गिरफ्तार

मैहर। वनमण्डल मैहर अन्तर्गत 22 अप्रैल को वनपरिक्षेत्र मैहर के बीट भदनपुर में सोमवार की दरम्यानी रात्रि वरिष्ठ कार्यालय से सूचना प्राप्त हुई थी कि वन परिक्षेत्र मैहर बीट भदनपुर के ग्राम मोहरबा में कुछ पारधी जाति के लोगों द्वारा वन्य प्राणियों का शिकार किया गया है। सूचना प्राप्त होते ही मुख्य वन संरक्षक वनवृत्त रीवा राजेश कुमार राय के निर्देशन, वनमण्डल अधिकारी मैहर मंयक चांदीवाल एवं लोकेश निरापुरे प्रभारी वनमण्डल अधिकारी मैहर के मार्गदर्शन में उप वनमण्डल अधिकारी मैहर यशपाल मेहरा के नेतृत्व में परिक्षेत्र अधिकारी मैहर सतीश चन्द्र मिश्रा द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दो परिक्षेत्रों का एक दल गठित किया गया। वन मण्डल सतना से डॉग स्क्वाड की टीम के साथ तहसीलदार की उपस्थिति में दिनांक 22 अप्रैल को प्रात: 5:30 बजे ग्राम मोहरबा के निवासी पारधी समुदाय के घरों में दबिश दी गई जिसमें कार्यवाही के दौरान लोकन पारधी के घर से 3 लोहे के छड़ के बल्लम तथा 2 लोहे की कुल्हाड़ी बेंट लगी, तीतर फंसाने के पिजरे 6 नग, जीआई तार एक बंडल लगभग 2 कि.ग्रा., लोहे का बका 1 नग रखा हुआ पाया गया और वन्य प्राणी का मांस जो की करीबन 5 कि.ग्रा. था अवैध रूप से रखा हुआ पाया गया। उपरोक्त की गई कार्यवाही में मौके से वन्यप्राणियों के अवैध शिकार तथा अवैधानिक सामग्री के संग्रहण के आरोप में सदन पारधी पिता लोकन पारधी, उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम मोहरबा, तुलसाबाई पारधी पति रामकुमार पारधी उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम मोहरबा, अजीत पारधी पति आंखे पारधी उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम मोहरबा को वन विभाग की अभिरक्षा में लेकर कार्यवाही की जा रही है। दबिश कार्यवाही के दौरान मौके से तीन संलिप्त आरोपी मौके से फरार हो गए जिनकी पतासाजी की कार्यवाही प्रचलन में है। प्राथमिक विवेचना उपरान्त संबंधित आरोपियों के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण कमांक 959/07 दिनांक 22/04/2025 पंजीबद्ध किया जाकर विधि अनुसार कार्यवाही प्रगतिस्त है।

सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए भटक रहीं लाड़ली बहनें

मैहर। इन दिनों मैहर सिविल अस्पताल मैहर में अनियमितताएं लगातार बनी हुई है। अक्सर देखा जा रहा है कि सिविल अस्पताल में पदस्थ कुछ डॉक्टरों द्वारा लगातार मनमानी की जा रही है। जैसे की टाइम से ड्यूटी पर नहीं आना सही समय पर इलाज नहीं करना और भी कई प्रकार की समस्याएं हैं जो इन दिनों सिविल अस्पताल में देखने को मिल रही है। मंगलवार को कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने सिविल अस्पताल का भ्रमण करने के बाद कहा कि जिस प्रकार से मैहर सिविल अस्पताल में लापरवाही देखने को मिल रही है वह कहीं ना कहीं प्रदेश सरकार की कमियों को दिखाती है। श्री द्विवेदी ने कहा कि जहां बड़े बड़े नेता और प्रशासनिक तंत्र एसी में बैठकर ठंडी हवा ले रहे है वहीं गर्भवती बहनें इस भीषण गर्मी में कई दिनों से सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए चक्कर लगा रही हैं। महीनों से परेशान होने के बाद भी उनकी सोनोग्राफी नहीं हो पाती जिम्मेदारों द्वारा तारीख पर तारीख दी जा रही है। स्त्री रोग विशेषज्ञ को ड्यूटी में लेट आने की आदत बन चुकी है। जबकि लाडली बहनो की वजह से ही मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है।

महादेव घाट पर रफ्तार का कहर, अनियंत्रित बोलेरो पुल से नीचे गिरी 5 महिलाओं सहित 8 की मौत

अटल राजेंद्र जैन

दमोह। जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर रफ्तार के कहर के चलते आठ लोगों के असमय काल के गाल में समा जाने का दुखद दर्दनाक घटनाक्रम सामने आया है। घटना की खबर लगते मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई वही हादसे के शिकार लोगों तक जब तक सरकारी मदद पहुंचती तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुख जताते हुए मृतको के परिजनों को दो दो लाख रुपए तथा घायलों को को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दमोह जिले के नोहटा थाना अंतर्गत बनवार चौकी के समीप महादेव घाट पुल पर मंगलवार सुबह 11 बजे करीब यह भीषण हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि बांदकपुर दर्शन करके लोधी परिवार के लोग दो गाड़ियों से अपने गांव जबलपुर जिले के पौड़ी कटंगी वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बोलेरो क्रमांक एमपी 20 बीए 0152 अनियंत्रित होकर महादेव घाट पुल थे अप्रोच रोड के गड्ढे से उछलकर पुलल के नीचे गिर कर पलट गई। इस गाड़ी में 6 महिलाये तथा 7 बच्चे सवार थे। अचानक हुए हादसे की वजह से किसी को संभलने का मौका नहीं मिला तथा पुल से नीचे गिरी गाड़ी में यह सभी फंस कर रह गए तथा इन की चीख पुकार भी गाड़ी गिरने के शोर में दब कर रह गई। मौके पर पहुंची ग्रामीणों की भीड़ ने 100 डायल तथा 108 को सूचना दी तथा पुल से नीचे उतर कर लोगों की भीड़ गाड़ी में फंसे लोगों को निकालने में जुट गई। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। मौके पर ही पांच महिलाओं तथा एक बच्ची की मौत हो चुकी थी जिनके नाम वैजयंती, लौग बाई, हल्की बाई, संपत बाई, गुड्डी बाई व रचना बताये गए गए। इधर 7 गंभीर घायल बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में दो बच्चों की भी मौत हो गई। इस तरह इस हादसे में खबर लेकर जाने तक पांच महिलाओं तथा तीन बच्चों की जान जा चुकी है। जबकि 5 घायल बच्चों को इलाज के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जिला अस्पताल से जबलपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद मौके पर पुलिस प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे तथा कलेक्टर एसपी ने भी घटनास्थल तथा जिला अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली- कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर का कहना है कि फुल की एप्रोच रोड पर बने गड्ढे को ठीक कराने, रेलिंग लगाने तथा पुल के दोनों तरफगाति अवरोधक बनाने के निर्देश प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारी को दे दिए गए हैं। इधर एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी का कहना है प्रथम द्रष्टया गाड़ी की स्पीड काफी तेज होने की जानकारी सामने आई है वहीं घटना की जांच के लिए समिति का गठन किया गया है जो जल्दी अपनी रिपोर्ट देगी। फिलहाल सभी मृतको का पोस्टमार्टम करा कर सब उनके पैतृक गांव भेज दिए गए हैं तथा घायलों का जबलपुर में इलाज जारी है।

नागरिक संरक्षण समिति दमोह ने विभिन्न को लेकर राज्यपाल के नाम कलेक्टर एवं एसडीएम का ज्ञापन सौंपा

दमोह। नगरिक संरक्षण समिति दमोह द्वारा राज्यपाल महोदय को कलेक्टर के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया कि माननीय मुख्य मंत्री श्रीमान् मोहन यादव जी द्वारा 13.12.2023 में सी.एम. के रूप में अपने पहले आदेश में धार्मिक स्थों एवं अन्य स्थानों में व्यति विस्तारक मंत्रों (लाउड स्पीकर/डी. जे. संवोधन प्रणाली) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण/कार्यवाही एवं खुले में मांस की विक्री पर रोक हेतु दिशा निर्देश जारी किए थे के परिपालन हेतु ज्ञापन प्रेषित है। आगे बताया कि विषय के अनुक्रम में संज्ञान में आया है कि विभिन्न धर्म स्थलों में निर्धारित डेसिबल का उल्लंघन करते हुए लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा रहा है। शोर से मनुष्य के काम करने की क्षमता आराम, नींद और संवाद में व्यवधान पड़ता है। कोलाहल पूर्ण वातावरण के कारण उच्च रक्तचाप, वैचेनी, मानसिक तनाव उपा अनिद्रा जैसे प्रभाव शरीर में पाये जाते है अधिक शोर होने पर कान के आंतरिक भाग की क्षति होने के प्रमाणे पाये गये है। लाउडस्पीकरों के उपयोग पर व्यापक दिशा निर्देश माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उपरोक्त संदर्भित निर्णय अंतर्गत जारी किए गए है। उक्त दिये गये दिशा निर्देशों के पालनार्थ माननीय मुख्य मंत्री मो.प्र, शासन द्वारा अपनी प्रथम केबिनेट बैठक में प्रस्ताव पारित करते पर्ण म.प्र. के लिये धार्मिक स्थलों एवं अन्य स्थानों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर /डी.जे. संबोधन प्रणाली) नियत्रित नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रणा कार्यवाही हेतु एवं खुले में में मांस विक्री पर रोक लगाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश पर जारी किए गए है। किन्तु पारित दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। महोदय जी से मांग है कितना प्रभाव से पारित दिशा निर्देशों के तहत कठोर कार्यवाही करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों को धार्मिक स्थलों में दयाशी उतारने की कार्य की आये। साथ ही खुले में मांस विकी किए जाने पर रोक लगाई जाए कार्यवाही से अवगत कराने की मांग की है।

छात्र छात्राओं ने निकाली जल संरक्षण जागरूकता रैली

पिपरिया। नगर के शासकीय सी एम राइज आर एन ए उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल पखवाड़ा एवं पृथ्वी दिवस के अवसर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें छात्रों के द्वारा स्लोगन बैनर चित्र नारे एवं सुभाष चौक पर जल संरक्षण के लिए शपथ लेकर नगर में जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जलगंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत सीएम राइज शासकीय आरएनए उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अनीसा श्रीवास्तव एसडीएम के निर्देशन में जल पखवाडे के अन्तर्गत चित्रकला, निबंध,वाद-विवाद,तत्कालिक भाषण आदि प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। इसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के द्वारा जल पखवाड़े विषय पर आधारित जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली भगत सिंह प्रतिमा से सुभाष प्रतिमा, मंगलवारा चौक तक पहुंची। जहां पर विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस की जानकारी देकर विद्यार्थियो व नागरिकों को जल संरक्षण जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस रैली में विद्यार्थियों ने अपने हाथो में पोस्टर और बैनर के माध्यम से जल संरक्षण से संबंधित नारे लगाकर नागरिकों को जागरूक किया। पृथ्वी दिवस पर विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने पृथ्वी ग्रह के महत्व के बारे में जानकारी दी।

लीनेस मैत्री क्लब ने किया सफाई कर्मियों का सम्मान

दमोह। लीनेस मैत्री क्लब दमोह द्वारा सफाई कर्मियों का सम्मान समारोह संपन्न, सूती वस्त्र गमछा एवं धूप से बचाव हेतु कैप वितरित की गई। शानदार स्वल्पाहार के साथ अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमारे दमोह शहर में एक सराहनीय पहल के तहत सफाई कर्मियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसको डिंपल खोसला ने सफल बनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष स्मृति खरे ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य उन योद्धाओं के प्रति आभार व्यक्त करना था, जो प्रतिदिन हमारे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। समारोह के दौरान सभी सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें

सम्मान स्वरूप उपहार दिए गए। एरिया ऑफिसर रोजी बग्गा ने बताया कि इस पहल से शहरवासियों में एक सकारात्मक संदेश दिया गया है। वहीं राखी चोपड़ा ने कहा कि स्वच्छता में योगदान देने वाले हमारे सफाई कर्मचारी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। डिंपल खोसला ने लीनेस मैत्री क्लब द्वारा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही। यह अनूठा आयोजन न केवल सफाई कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने वाला था, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को भी मजबूत करने वाला रहा। इस सेवा कार्य में रिम्मी जुनेजा, नर्मदा सिंह, शिल्पा राव, पिंकी जुनेजा, एकता जुनेजा की सक्रिय भागीदारी रही।

» न्यूज कैप्सूल »

एनएसयूआई ने सीएम के नाम नायाब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

पिपरिया। एनएसयूआई ने सीएम के नाम नायाब तहसीलदार तीरथ लाल इरपाची को विधि पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु शीघ्र मान्यता की मांग सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम् से कहा कि शहीद भगत सिंह शासकीय पीजी कॉलेज में विधि विभाग के द्वारा विगत कई वर्षों से विधि पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिस कोर्स को पूर्ण कर युवाओं को रोजगार,व्यवसाय के अवसर प्राप्त होकर अधिवक्ता,एडीपीओ,सिविल जज व अन्य उच्च पदों पर पहुंचकर देश की सेवा दे रहे हैं। विधि पाठ्यक्रम एक रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक कोर्स है। बेरोज़गारी दूर करने का सार्थक व महत्वपूर्ण साधन भी है। वर्तमान प्राचार्य डॉ राजीव महेश्वरी की उदासीनता के चलते विधि पाठ्यक्रम संचालन हेतु मान्यता मिलने में बिलंब हो रहा है। क्योंकि इनके द्वारा विधि पाठ्यक्रम को बंद किए जाने हेतु हमेशा से बातें कही जाती रही है और विभाग को सुविधाओं से वंचित रखा गया है। छात्र.छात्राओ के बेहतर भविष्य को मद्देनजर रखते हुए 5 प्रमुख मांगे आपके समक्ष पूर्ण विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं। विधि पाठ्यक्रम हेतु मान्यता प्रदाय की जावें । शासन स्तर से शीघ्र आदेश दिया जावे कि पिपरिया में शीघ्र पृथक विधि महाविद्यालय स्थापित किया जावें। तब तक वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल की जावें। विधि महाविद्यालय की स्थापना की जाकर छात्र .छात्राओ के लिए हास्टल सुविधा उपलब्ध कराई जावें। विधि महाविद्यालय हेतु पृथक प्राचार्य उपलब्ध कराया जावेविधि महाविदयालय हेत सहायक प्राध्यापक के पदो का सृजन कर शीघ्र पदों पर भर्ती की जावे । यदि विधि महाविदयालय के लिए जनभागीदारी शिक्षकों को नियुक्ति दी जाने की दशा में शिक्षकों को मानदेय यूजीसी मापदंड अनुसार ही प्रदान किया जावें। ताकि शिक्षक उत्साहपूर्वक शैक्षणिक कार्य संपादित कर सके। प्राचार्य वर्मा और प्रो रामगुलाम पटेल को बहाल किया जाए। इतिहास विभाग में टीचर नियुक्त किया जाए । पूर्व में हुई आत्महत्याओं की एवं कॉलेज परिसर में हुए घोटालों की सीबीआई जांच की जाए। विधि पाठ्यक्रम संचालन हेतु मान्यता प्रदाय कराने शीघ्र अतिशीघ्र उचित कार्यवाही करें। यदि विधि पाठ्यक्रम के छात्र.छात्राओ सर्वोत्तम हित में शासन प्रशासन स्तर से शीघ्र प्रभावी निर्णय नहीं लिया गया तो राष्ट्रीय छात्र संघ, मध्यप्रदेश चरणबद्ध आंदोलन करने को मजबूर होगा जिसकी संपूर्ण जवाबदेही मध्यप्रदेश शासन की होगी। इस दौरान आरिफ अलीएपवन एव अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे ।

आंगनवाडी केंद्रो में मृदा को पोषक बनाने के उपाय एवं फायदे बताए

पिपरिया। नगर के नजदीकी ग्राम बीजवाडा आंगनवाडी क्रेंद्र क्रमांक 1 में मृदा को पोषक बनाने के फायदे व उपाए के बारे में जानकारी दी। पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के समापन अवसर पर परियोजना अधिकारी अनिल चौधरी के मार्गदर्शन में बीजनवाड़ा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 पर बनखेड़ी से वैज्ञानिक श्री गर्ग व वैज्ञानिक आकांक्षा पांडे के द्वारा मृदा को पोषक बनाने के उपाय एवं फायदे बताए एवं पोषण के संबंध में समझाइश दी। पोषण पखवाड़ा परियोजना के सभी 188 आंगनबाड़ी केंद्रों पर उत्सव पूर्वक मनाया गया एवं समापन भी उत्सव के साथ किया गया।

नर्मदापुरम शहर के वार्ड नंबर 32 के 400 परिवारों को नगर पालिका ने दिया मकान खाली करने के नोटिस

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर बने 400 मकान के परिवारों ने नगर पालिका का किया घेराव

(आरती मालवीय)

नर्मदापुरम। शहर के ट्रेंचिंग ग्राउंड कचरा पट्टी वार्ड नंबर 32 के 400 मकान के परिवार के द्वारा नगर पालिका का घेराव किया गया और नगर पालिका मुर्दाबाद के नारे लगाए गए हम आपको बता दें कि नर्मदापुरम शहर के कचरा पट्टी ट्रैंचिंग ग्राउंड पर कई वर्षों से कब्जा कर रह रहे 400 मकान के परिवारों को नगर पालिका प्रशासन द्वारा तीन दिवस का नोटिस देकर उन्हें मकान खाली करने और कहीं और रहने के लिए कहा गया वहीं वार्ड नंबर 32 के रहवासियों ने इस बात को लेकर नगर पालिका का घेराव कर मकान नहीं खाली करने के लिए नगर पालिका को एक लिखित आवेदन दिया वहीं उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन अगर हमारे मकान तोड़ती है तो हम नगर पालिका के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे इस संबंध में जब नगर पालिका के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया वार्ड नंबर 32 ट्रैकिंग ग्राउंड पर कचरा कंपोस्ट करने के लिए मशीन लगाई जा रही हैं जिसको लेकर लोगों द्वारा किए गए वार्ड नंबर 32 ट्रेंचिंग ग्राउंड पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए उन्हें तीन दिवसीय नोटिस दिया गया है अगर उन्होंने तीन दिवस की अंदर अपने मकान खाली नहीं किया तो उन्हें तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी वार्ड नंबर 32 के ट्रेंचिंग ग्राउंड पर अब कब्जा कर रह रहे रहिवासियों ने बताया कि उन्होंने कई वर्षों से यहां मकान एवं झुकी झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं अगर नगर पालिका हमारे मकानों को तोड़ती है तो हमें दूसरी जगह स्थान देना चाहिए नहीं अगर देती है तो हम उग्र आंदोलन करेंगे।

पचमढ़ी छावनी परिषद ने विस्थापितों के हटाए अतिक्रमण

पिपरिया। हिल स्टेशन पचमढ़ी की छावनी परिषद ने विस्थापितों के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। वही छावनी परिषद ने शासकीय जगह पर जिन्होंने नए अतिक्रमण किये थे उनके भी अतिक्रमण हटाए गए। वहीं अतिक्रमणकारियों ने बताया कि हमें पचमढ़ी से विस्थापित कर मोहगांव में बसा दिया गया है । लेकिन प्रशासन के द्वारा वहां पर न तो लाइट की व्यवस्था है न ही पानी की व्यवस्था की गई है। हमें मजदूरी के लिए भी लगभग 35 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है । जिसके कारण हमारा जीवन यापन करना भी मुश्किल हो रहा है। जितना पैसा हम आने.जाने में खर्च कर रहे हैं उससे हमारा भरण पोषण नहीं हो पा रहा है। वही छावनी परिषद के लवकेश साहू ने बताया कि हम उन अतिक्रमणकारियों को हटा रहे हैं जिन्होंने पचमढ़ी में आकर फि र से अतिक्रमण कर लिया है वही जिनका कैस न्यायालय में चल रहा है एवं न्यायालय के आदेश अनुसार उन्हें जब तक नहीं हटाया जा सकता जब तक सरकार उनके विस्थापन के लिए कोई जगह आवंटित नहीं करती है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत कार्यवाही जारी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा इटारसी स्थित चाट चौपाटी की, कि गई जांच

(आरती मालवीय)

नर्मदापुरम। जनमानस के स्वास्थ्य के दृष्टिगत रखते हुए शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत कार्यवाही जारी है। इसके तारतम्य में मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस दियावार एवं जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा इटारसी स्थित चाट चौपाटी की जांच की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियो द्वारा सभी स्ट्रीट खाद्य व्यवसायी को खाद्य पदार्थ को ढक कर रखना, खाद्य पदार्थों को रखने के लिए न्यूज़पेपर का प्रयोग न करने और केप और एप्रन पहनकर खाद्य पदार्थों का निर्माण करने, वैधता तिथि संबंधी दिशा निर्देश प्रदान किए गएद्य सभी परिसरों को साफ सफाई के निर्देश दिए गए। तथा अजीनोमोटो एवं खाद्य रंग का प्रयोग कम करना है इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा से संबंधित अन्य समझाइश दी गई कि ग्राहक को साफ एवं शुद्ध खाद्य पदार्थों को परोसा जाए जिससे किसी प्रकार की बीमारी या फूड विषाक्तता ना हो।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पचलावरा ग्राम में तालाब गहरीकरण एवं सफाई कार्य संपन्न

पिपरिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पचलावरा में स्थित लगभग 17 एकड़ क्षेत्रफ ल में फैले शासकीय तालाब में जनसहयोग से श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण एवं सफाई कार्य प्रारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा ऋ तु में अधिकतम वर्षा जल का संचयन कर जलस्तर को बढ़ाना एवं भूमिगत जल स्त्रोतों को रिचार्ज करना है। तालाब की सफाई एवं गहरीकरण से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। बल्कि इससे ग्रामवासियों को सिंचाई एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त जल भी उपलब्ध हो सकेगा। इस कार्य में जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमन खातरकर, सचिवए अनिल पांडे,रोजगार सहायक राजकुमार पटैल,मनीष पटैल जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। सभी ने मिलकर श्रमदान के माध्यम से तालाब की सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

बुजुर्ग दंपत्ति ने फांसी पर झूलकर निभा दी साथ जीने-मरने की कसम

बीमारी से त्रस्त बुजुर्ग दंपत्ति ने मौत को लगाया गले

कटनी। कहते हैं कि पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्मों का होता है। दोनों अग्नि को साक्षी मानकर जीवन की आखिरी सांस तक एक दूसरे का साथ निभाने और साथ जीने मरने का वचन देते हैं। यह भी सच है कि जिंदगी और मौत का समय भी ऊपर वाला ही मुकर्रर करता है। ये पंतियां मझगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सिंघुली में चरितार्थ हो गई। लंबी आयु तक साथ निभाने के बाद 80 और 82 बरस के बुजुर्ग जोड़े ने एक साथ दुनियां को अलविदा कह दिया। साथ जीने की रस्म निभाने के बाद दोनों ने फांसी लगाकर साथ मरने की कसम भी पूरी कर ली। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग दंपत्ति शारीरिक कष्टों से परेशान थे। इलाज से उनकी परेशानियों का निवारण न हो पाने के कारण दोनों ने एक साथ प्राण त्याग दिए। एक साथ सजी दोनों की चिता को देख ग्रामवासियों की आँखें नम हो गई। पुलिस के मुताबिक ग्राम सिंघुली निवासी विकल्प कुमार पटेल वर्तमान में एसडीओ पीएचई के पद पर कटनी जिले के स्लीमनाबाद में पदस्थ हैं। स्लीमनाबाद से प्रतिदिन अपने घर सिंघुली आते जाते है। रोज की तरह जब वे ड्यूटी जाने को तैयार हो रहे थे, तभी इस घटना की सूचना मिली। बताया जाता है कि उनके पिता की चाची श्रीमती पार्वती बाई पटैल का घर बस स्टेण्ड सिंघुली में है जो अपने पति राजकुमार एवं छोटे लडक़े धर्मेन्द्र पटैल, बहू प्रीति पटैल एवं बच्चों के साथ रहती थी। सुबह लगभग 8-15 उसके परिवार के चाचा संदीप पटैल ने घर आकर बताया कि छोटी दादी पार्वती पटैल एवं छोटे दादा राजकुमार पटैल दोनों घर मे बनी बेंटीलेटर में लायलोन की रस्सी बांधकर स्वंय के गले में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दादी पार्वती पटैल 80 वर्ष एवं छोटे दादा राजकुमार पटैल 82 वर्ष ने फांसी लगाकर मौत को गले लगाया। सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया तथा लोग घटनास्थल पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों की भीड़ जमा हो गई। हर कोई यही चर्चा कर रहा था कि बुजुर्ग दंपत्ति ने साथ जीने मरने का वादा निभा दिया।

टीवी, हार्ट की बीमारी से थे परेशान

बताया जाता है कि मृतक हार्ट की बीमार से परेशान था तो पत्नी हार्ट और टीवी की बीमार से ग्रस्त थी। दोनों ने बीमारी का इलाज कराया लेकिन आराम नहीं मिल रहा था। जांच में यह बात सामने आई कि पति-पत्नी ने बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या की है।

एक साथ हुआ अंतिम संस्कार

प्यार की मिसाल कायम करने वाली इस जोड़ी की एक शवयात्रा निकाली गई। यह दृश्य देखने वालों की आँखें छलछला आई। अंतिम संस्कार भी एक ही चिता पर हुआ। बड़ी संख्या में मौजूद ग्राम वासियों ने दंपति को आखिरी विदाई दी। दोनों की शवयात्रा साथसाथ निकाली गई, और दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ एक ही चिता पर किया गया।

इंदिरा गांधी वार्ड में 52 लाख की लागत से होगा नाला निर्माण

महापौर ने की बस्तियों का भ्रमण कर जानी समस्याए अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

विकास शुल्क जमा करनें हेतु पुनःआयोजित करें शिविरः महापौर

कटनी। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार प्रात: इंदिरा गांधी वार्ड पहुंकर क्षेत्रीय पार्षद ओमप्रकाश बल्ली सोनी के साथ बालाजी नगर, रामनगर एवं शिवनगर की गलियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ भ्रमण किया। इस दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और उनकी रोड नाली एवं विद्युत संबंधी समस्याएं जानी तथा उनके निराकरण करानें का आश्वासन भी दिया।

निरीक्षण के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू,ड ॉ रमेश सोनी पार्षद श्रीमती सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, पूर्व पार्षद संजीव सूरी क्षेत्रीय उपयंत्री अश्वनी पाण्डेय सहित निगम के अन्य अधिकारियों एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय रहवासियों द्वारा रोड नाली की निर्माण की मांग कराये जानें पर महापौर श्रीमती सूरी नें उपयंत्री अश्वनी पाण्डेय से जानकारी चाही गई जिस पर बताया गया कि अवैध कॉलोनी होनें के कारण स्थल पर विकास कार्यो को करानें में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शासन निर्देशानुसार अवैध कॉलोनियों के रह वासियों को निगम के माध्यम से सुविधांए प्रदान किये जाने हेतु पूर्व में शिविर आयोजित किये जाकर विकास शुल्क की जानकारी प्रदाय की जा चुकी है। विकास शुल्क जमा होनें के पश्चात शीघ्र ही विकास कार्य प्रारंभ करा दिये जाएगें। जिस पर महापौर श्रीमती प्रीति सूरी नें शीघ्र ही दुबारा शिविर आयोजित कर विकास शुल्क की राशि जमा करानें की सुविधा प्रदान के निर्देश दिए।

इंदिरा गांधी वार्ड पहुंची महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने जल निकासी की व्यवस्था हेतु शिव नगर में पुरवार स्कूल से दुर्गा मंदिर तक 52 लाख रुपए की लागत से निर्मित कराए जाने वाले वार्ड के मुख्य नाले के स्थल का निरीक्षण कर शेष आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए ताकि वर्षों में वार्ड में जल भराव की समस्या उत्पन्न न हो। इस मुख्य नाले से वार्ड की गलियों की नालियों को जोड़कर वर्षा जल निकासी की सुविधा मिलेगी। महापौर श्रीमती सूरी नें जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में वार्ड में लगभग 2 करोड़ से अधिक के विकास कार्य कराये जा चुके है। जो आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

महापौर श्रीमती सूरी नें निरीक्षण के दौरान निगम के स्वास्थ्य अमले को इंदिरा गांधी वार्ड की बस्तियों से पानी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था दुरूस्त करानें के भी निर्देश दिए। वार्ड की सफाई व्यवस्था हेतु नियुक्त स्वच्छता दूतों की दौनों पालियों की जानकारी ली जाकर बस्तियों की सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखनें के निर्देश दिए।

विद्युत तारों को किया जाएगा व्यवस्थित

महापौर ने बालाजी नगर से पुरवार स्कूल पैदल होते हुए जैन नर्सरी मार्ग के पास अव्यवस्थित विद्युत लाइन का निरीक्षण कर नगर निगम एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों की सामूहिक बैठक आयोजित कर इस समय का निराकरण कराने का आश्वाशन स्थानीय जनों को दिया। महापौर श्रीमती सूरी ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर नागरिकों के सुख समृद्धि की कामना करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मंदिर में सार्वजनिक नल कलेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की जिसका उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

इनकी रही मौजूदगी

निरीक्षण के दौरान स्थानीय वार्डवासी एडवोकेट संजय चौदहा मनोज गौतम आशीष बरसैया चक्रेश तिवारी संतराम विश्वकर्मा पवन तोमर रोमी नायक नीरज सेठिया शरद यादव के पी शिवहरे अखिलेश चम्पुरिया राजू मोर सहित अन्य स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी रही।

गोह तथा नेवले के शरीर के अवयव रखने वाले आरोपी को 3 वर्ष का कठोर कारावास

पिपरिया। वन्य प्राणी गोह तथा नेवले के शरीर के अवयव अपने कब्जे मे रखने वाले आरोपी को 3 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय पचमढ़ी मनीष कुमार पारीक के न्यायालय द्वारा आरोपी दामोदर पिता नारायण नाथ निवासी बिलोनी तहसील गाडरवारा को वन्य प्राणी गोह तथा नेवले के शरीर के अवयव अपने कब्जे मे रखे पाये जाने से तथा उक्त वन्य प्राणियो के अवयवो को व्यापार के लिए प्रस्तुत करने का अपराध सिद्व पाये जाने की दशा मे आरोपी को वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 39/51 तथा 44/51 के अपराध मे दोषी पाते हुए आरोपी को प्रत्येक धारा मे 3-3 वर्ष के सश्रम कारावास व 25000-25000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मामले मे शासन की ओर से सहायक जिला अभियोजन अधिकारी चौधरी विक्रम सिंह द्वारा पैरवी की गयी। डीपीओ राजकुमार नेमा ने बताया कि मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 5 अगस्त 2024 को शाम करीब 6.45 बजे जब परिक्षेत्र सहायक पचमढ़ी रश्मि बान, वनरक्षक आनंद जोशी और डॉग हैण्डलर पदमसिंह के साथ सतपुड़ा टाईगर रिजर्व नर्मदापुरम के अंतर्गत नागद्वारी मेला जटाशंकर क्षेत्र मे चैकिंग कर रही थी। चैकिंग के दौरान जटाशंकर मार्ग मे त्रिपाठी मंदिर की सीढ़ियो के पास एक व्यक्ति जड़ी बूटी की दुकान लगाये हुये दिखा। डॉग हेण्डलर पदमसिंह राजपूत को उक्त दुकान की चेकिंग के दौरान संदेह हुआ। संदेह होने पर दुकान मे रखे स्टील के डिब्बे को खोला गया। उसमे वन विभाग के जसीकर्ता अधिकारी के अनुसार गोह के पांच नग हत्था जोड़ी,चार नग पैर के पंजे और एक मोबाईल मिला। उक्त दुकानदार से उसका नाम पूछे जाने पर उसने अपना नाम दामोदर पिता नारायण नि. ग्राम बिलोनी तहसील गाडरवारा बताया। दुकानदार से उसके आधार कार्ड की प्रति प्राप्त की गयी। उसके बाद उक्त वस्तु जप्त की गयी और जप्ती पंचनामा बनाया गया। अभियुक्त का उक्त कृत्य वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के प्रावधानो के अंतर्गत पाये जाने से पीओआर जारी की गयी। घटना स्थल का नजरी नक्शा बनाया गया और अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। विवेचना उपरांत आरोपी दामोदर के विरूद्व धारा 39(3),51,44/51/51 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अभियोग पत्र न्यायालय मे पेश किया गया था। प्रकरण मे वन्य प्राणी के शरीर के अवयवो की निश्चितता के संबंध मे वैज्ञानिक अभिमत हेतु स्कूल आफ वाईल्ड लाईफ फारेंसिक एंड हेल्थ को लिखा गया। जहॉ से स्कूल आफ वाईल्ड लाईफ फारेंसिक एंड हेल्थ, नानाजी देशमुख वेटनरी साईंस यूनिवर्सिटी जबलपुर की फारेंसिक रिपोर्ट मे यह तथ्य आया कि उनके पास जो 4 पंजे प्राप्त हुए थे वे 4 पंजे वन्य प्राणी इंडियन ग्रे मोंगूज (नेवला)तथा 1 अंग(अवयव) वन्य प्राणी मानीटर लिजार्ड (गोह) का होना पाया गया है। इस मामले मे अभियोजन द्वारा न्यायालय मे अभियोजन साक्षियो के साक्ष्य कराये गये थे। न्यायालय द्वारा अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्को से सहमत होकर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 39/51 तथा 44/51 मे दोषी पाते हुए आरोपी दामोदर को दण्डित किया गया।

सिविल लाइन में चोरी

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गणेश चौक स्थित एक क्वार्टर में अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। शिकायत पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार क्वार्टर नंबर एफ 3 गणेश मंदिर दूरदर्शन के सामने शैलेन्द्र कुमार झा के मकान में अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए सोने-चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराए जाने पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले को जांच में लिया है।

ब्रीफ न्यूज

वाहन व विकलांग भत्ता आदेश जारी करना भूला वित्त विभाग

लाखों कर्मचारी मई के वेतन में लाभ से हो जाएंगे वंचित

भोपाल। मध्यप्रदेश का वित्त विभाग वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता आदेश जारी करना भूल गया है। 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट की मंजूरी के बाद 5 भत्तों के हुए आदेश में से 2 के आदेश अभी तक जारी नहीं हुए है। आदेश जारी नहीं होने से प्रदेश के लाखों कर्मचारि मई के वेतन में लाभ से वंचित हो जाएंगे।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया है कि 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट बैठक में प्रदेश के कर्मचारियों के गृह भाड़ा भत्ता, स्थाई यात्रा भत्ता, अनुग्रह भत्ता, दोहरा कार्य भत्ता अव्यवसायिक वाहन भत्ता, विकलांग भत्ता वृद्धि करने की मंजूरी देने के बाद 3 अप्रैल को वित्त विभाग द्वारा वाहन भत्ता ?200 से 384 एवं विकलांग भत्ता 350? से?675 करने के आदेश को छोड़कर उक्त अन्य सभी आदेशों का लाभ 1 अप्रैल 2025 से प्रदेश के कर्मचारियों मई 25 के वेतन से मिलेगा।

सभी विभागों में असमंजस की स्थिति

तिवारी ने बताया कि अप्रैल का महीना समाप्ति की ओर है। 13 साल से जो भत्ते नहीं बढ़ाए गए थे। कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता देने के आदेश जारी न होने पर अप्रैल के वेतन में इनका लाभ मिलना प्रतीत नहीं हो रहा है जिससे प्रदेश के सभी विभागों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। महामंत्री तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री से वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता देने के आदेश जिसकी की मंजूरी कैबिनेट द्वारा दी जा चुकी है जारी करने की मांग की है।

वाहन और विकलांग भत्ते के आदेश जारी करना भूला वित्त विभाग

मई से वंचित हो सकते हैं प्रदेश के कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की एक अप्रैल 2025 को हुई कैबिनेट बैठक में कर्मचारियों के लिए कुल पांच भत्तों में वृद्धि को मंजूरी दी गई थी, लेकिन इनमें से दो महत्वपूर्ण भत्तों- वाहन भत्ता और विकलांग भत्ता के आदेश अब तक जारी नहीं किए गए हैं। इससे प्रदेश के लाखों कर्मचारी मई माह के वेतन में इनका लाभ पाने से वंचित हो सकते हैं। तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि तीन अप्रैल को गृह भाड़ा भत्ता, स्थायी यात्रा भत्ता, अनुग्रह भत्ता और दोहरे कार्य भत्ते के संशोधित आदेश वित्त विभाग द्वारा जारी कर दिए गए थे। परंतु वाहन भत्ता 200 रुपये से बढ़ाकर 384 रुपये तथा विकलांग भत्ता को 350 रुपये से बढ़ाकर 675 रुपये किए जाने की स्वीकृति के बावजूद अब तक इनके आदेश जारी नहीं हुए हैं। तिवारी ने चिंता जताई कि अप्रैल माह समाप्ति की ओर है, और यदि वित्त विभाग शीघ्र आदेश जारी नहीं करता तो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी इन भत्तों का लाभ कर्मचारियों को मई से नहीं मिल पाएगा। इससे राज्य भर के शासकीय विभागों में असमंजस की स्थिति बन गई है। महामंत्री तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वित्त मंत्री से अनुरोध किया है कि कैबिनेट की स्वीकृति के अनुसार वाहन भत्ता और विकलांग भत्ता संबंधी आदेश तत्काल जारी किए जाएं, जिससे कर्मचारियों को समय पर लाभ मिल सके और विभागीय भ्रम की स्थिति भी समाप्त हो।

एमपी कांग्रेस की नई गाइडलाइन का असर

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस की नई गाइडलाइन का असर देखने को मिल रहा है। पॉलिटिकल अफेयर कमेटी और एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में इसकी झलक देखने को मिली। मंच पर कुर्सी की जगह गद्दे बिछाए गए। मंच के नीचे माइक लगाया गया। वहीं राष्ट्रीय नेता के साथ पूर्व सीएम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष के फोटो भी लगाए गए। कांग्रेस ने पॉलिटिकल अफेयर कमेटी और एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक बुलाई है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जय बापू जय भीम जय संविधान को लेकर राज्य स्तरीय बैठक शुरू हुई। इस बैठक में पार्टी की नई गाइडलाइन का असर दिखाई दिया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी और बाबा साहब अम्बेडकर के फोटो लगाए गए। वहीं बैकड्रॉप पर राष्ट्रीय स्तर, प्रदेश स्तर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष के फोटो दिखाई दिए। मंच पर कुर्सी की जगह गद्दे बिछाए गए है और मंच के नीचे माइक लगाया गया।दरअसल, राजधानी भोपाल में 10 मार्च को विधानसभा घेरने की तैयारी कर रहे किसान कांग्रेस का मंच टूट गया था। जिससे दर्जनभर से ज्यादा कांग्रेस नेता घायल हो गए थे। कुछ नेताओं को गंभीर चोटें भी आई थी। इस हादसे से सबक लेते हुए भविष्य में होने वाले पार्टी के कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर कांग्रेस ने नई गाइडलाइन बनाई थी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए कई निर्णय

अब 200 से ज्यादा जोड़ों के नहीं होंगे सामूहिक विवाह -ग्वालियर में टेलीकॉम मेन्युफेक्चरिंग जोन बनाने का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कन्यादान एवं निकाह योजना में संशोधन किया गया है। अब न्यूनतम 11 और अधिकतम 200 जोड़ों के ही विवाह होंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में होने वाली व्यवस्था को देखते हुए योजना में संशोधन का फैसला लिया गया है। 49 हजार रुपये सहायता राशि सरकार देती है और 6000 रुपए आयोजन खर्च के रूप में संबंधित संस्था को दिए जाते हैं। राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि ग्वालियर में टेलीकॉम मेन्युफेक्चरिंग जोन बनाने के लिए राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को अपनी सहमति भेजी है। केन्द्र की सहमति के बाद 12 हजार करोड़ के निवेश होंगे और 5 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाय योजना में 49 हजार रुपए डीबीटी से ट्रांसफर किए जाते हैं और 6 हजार रुपए आयोजन में खर्च होते हैं। आगामी 15 मई तक सामूहिक विवाह के लिए जो पंजीयन हुए हैं वो पूर्व की तरह होंगे। अब उस योजना में संशोधन करते हुए ये तय किया है कि कम से कम 11 और अधिकतम दो सौ जोड़ों का एक जगह पर विवाह होगा। ताकि व्यवस्था बेहतर हो सके। वर वधु के परिवारों के लिए व्यवस्थाएं बेहतर हों। जिले में एक जगह पर हजार-दो हजार शादियों के बजाए जिले के अलग-अलग ब्लॉक लेवल पर विवाह समारोह कराए जा सकेंगे।

बफर एरिया में 145 करोड़ से होगी फेंसिंग

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि टाइगर रिजर्व के बफर जोन एरिया में टाइगर और इंसान के बीच मुठभेड़ के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। इसलिए बफर जोन में कुछ विकास के ऐसे काम कराए जाएंगे जिससे इन घटनाओं को रोका जा सके। 145 करोड़ रुपए की सीमा तक के काम किए जाएंगे। 9 टाइगर रिजर्व से लगे बफर जोन में चार सालों में टाइगर की संख्या 526 से बढ़कर 785

हो गई है। इसलिए स्वाभाविक है बफर में इंसान, टाइगर और गाय पर हमले होते हैं। संवेदनशील वन क्षेत्रों में फेंसिंग करने के लिए नई योजना पर तीन सालों में 145 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

5 मई तक 60 होगा मीट्रिक टन गेहूं उर्पाजन

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि 50 लाख एमटी गेहूं उर्पाजन हो चुका है। गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 के साथ 175 रुपए बोनस जोड़ा गया है। किसान उत्साह से गेहूं समर्थन मूल्यों पर बेच रहे हैं। 5 मई तक 60 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन का टारगेट पूरा हो जाएगा। किसानों के खातों में 10562 करोड रुपए से अधिक की राशि भेजी जा चुकी है।

पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करें प्रभारी मंत्री

कैबिनेट बैठक में सीएम ने सभी प्रभारी मंत्रियों को गर्मियों में पेजयल व्यवस्था की सतत समीक्षा करने के लिए निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा है कि समीक्षा बैठकों में पेयजल व्यवस्था पर जरूर समीक्षा करें। 16 जून तक चलने वाले जलगंगा संवर्धन अभियान को लेकर सीएम ने कहा है कि पानी बचाने के लिए तालाबों के गहरीकरण, जलस्त्रोतों के संरक्षण की संभावनाओं पर काम करें। 27 अप्रैल को इंदौर में एमपी टेक कॉन्क्लेव ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होगी। इसममें 500 से ज्यादा टेक्नोलॉजी कंपनियां शामिल होंगी। कैबिनेट ने पोप फ्रांसिस के निधन पर 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक दो दिन का प्रदेश में राजकीय शोक रखने का निर्णय लिया है।

चीता रेलोकेशन की दुनिया में हो रही तारीफ

डिप्टी सीएम ने बताया चीता के मामले में जो संघर्ष चल रहा था। कूनों में चीतों को लाने के बाद उनकी वंश वृद्धि सफल हुई है। बीते दिनों गांधीसागर अभयारण्य में दो चीतों की शिफ्टिंग हुई है। उसकी कैबिनेट में चर्चा हुई है। चीता रेलोकेशन में मप्र ने जो काम किया है। उसकी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तारीफ हो रही है।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में आवेदन कर खुद का उद्योग कर सकते हैं स्थापित

प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की गई है। योजनान्तर्गत युवाओं को स्वयं का उद्योग सेवा/व्यवसाय उद्यम स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर कोलेटरल फ्री लोन उपलब्ध कराया जाएगा। योजनान्तर्गत उद्योग क्षेत्र की इकाइयों स्थापित किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि 50 हजार से 50 लाख रुपये तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र/खुदरा व्यवसाय क्षेत्र की इकाइयों स्थापित किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि 50 हजार से 25 लाख रुपये लाख तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है।

भोपाल नगर निगम की निर्माणाधीन बिल्डिंग में घोटाले का आरोप

अधिकारियों ने ठेकेदार को लौटा दी 12 की जगह 18 प्रतिशत जीएसटी

भोपाल। नगर निगम में भ्रष्टाचार की खबरें आम हो गई हैं। फिर चाहे स्वच्छ भरत मिशन का मामला हो या फिर जनसंपर्क विभाग का। अब नया घोटाला नगर निगम की निर्माणाधीन बिल्डिंग के नाम पर किया जा रहा है। ये आरोप कोई और नहीं, बल्कि नगर निगम भोपाल की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने लगाए हैं। उनका कहना है कि नगर निगम का भवन 3 फरवरी 2022 को बनना शुरू हुआ, जो 2 साल में बनकर तैयार हो जाना था लेकिन अब तक नहीं बन पाया है। नगर निगम के नए मुख्यालय निर्माण के लिए बार-बार बजट में बढ़ोत्तरी की जा रही है।

इस देरी के कारण 2 गुना हुआ बजट

नगर निगम का नया मुख्यालय बनाने के लिए 22 करोड़ 57 लाख 95 हजार 423 रुपए का अनुमानित खर्च आंका गया था। इसमें महापौर परिषद केवल 20 प्रतिशत राशि का इजाफा कर सकती थी, लेकिन इसमें सीधे 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई थी।

जिससे कुल बजट बढ़कर 33 करोड़ 27 लाख 12 हजार 575 रुपए तक पहुंच गया था। इसके बाद भी निर्माण पूरा नहीं हुआ।

मुख्यालय निर्माण का फिर से बढ़ा बजट

एक बार फिर नगर निगम परिषद में मुख्यालय भवन का बजट 20 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन 20 प्रतिशत बजट नहीं बढ़ाया जा सकता था। इसलिए बजट को लगभग 19 प्रतिशत बढ़ाते हुए इसमें 6 करोड़ 47 लाख 45 हजार रुपए की बढ़ोत्तरी कर दी गई है। जिससे अब इसकी लागत करीब 39 करोड़ 91 लाया लाख 35 हजार 47 रुपए तक पहुंच गई है। वहीं समय पर काम पूरा नहीं होने पर नगर निगम ने ठेकेदार पर पेनाल्टी नहीं लगाई है।

ठेकेदार को 6 प्रतिशत अधिक जीएसटी का भुगतान

शबिस्ता जकी ने बताया कि जब निगम मुख्यालय भवन का टेंडर हुआ था। उस समय 12 प्रतिशत जीएसटी दी गई। नियम है कि एक बार काम शुरू हो गया तो भले ही बाद में जीएसटी की दर बढ़ें, लेकिन पुराने कामों में बढ़ी हुई जीएसटी की दर लागू नहीं होती। यानि कि जो निर्माण शुरू करने के दौरान जीएसटी का भुगतान हुआ, वहीं निर्माण के अंत तक भुगतान करना है। लेकिन अधिकारियों ने ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए जीएसटी 12 प्रतिशत की बजाय 18 प्रतिशत वापस कर दी। हालांकि, इस मामले जांच कराने का निर्देश नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने दिए हैं।

बिना काम पूरा हुए सिक्योरिटी डिपॉजिट वापस

शबिस्ता जकी ने आरोप लगाया कि नगर निगम में अधिकारियों ने ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए तरह-तरह से नियमों का उल्लंघन किया है। वहीं एक तरफ काम पूरा नहीं होने के बावजूद एमआईसी ने ठेकेदार पर पेनाल्टी नहीं लगाई है। अधिकारियों ने ठेकेदार की जमा 43 लाख रुपए की एफडीआर और 42 लाख रुपए की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी वापस कर दी। इसके बदले अधिकारियों ने ठेकेदार से बैंक गारंटी जमा करवा ली है, जिसका कोई औचित्य नहीं है।

30 जून तक निर्माण कार्य करना होगा पूरा

अब एक बार फिर नगर निगम ने इस निर्माण की डेडलाइन तय की है। इसके तहत 30 जून 2025 से पहले निगम मुख्यालय भवन को कंप्लीट किया जाना है। निगम के प्रभारी एसई सुबोध जैन के मुताबिक मुख्यालय भवन में सिर्फ फिनिशिंग का काम बाकी है, जो अगले 8 से 9 दिन में पूरा हो जाएगा। मेसर्स सहित कंस्ट्रक्शन कंपनी को निगम 25 रनिंग बिल के माध्यम से 32 करोड़ से अधिक का भुगतान कर चुका है, लेकिन काम अब भी अधूरा है।

सरकारी स्कूलों के लिए मोहन सरकार का आनंद प्लान

स्कूलों में लगेगी मस्ती की पाठशाला

बच्चे सीखेंगे स्ट्रेस मैनेजमेंट के साथ जीवन जीने की कला

भोपाल। मप्र की मोहन सरकार अब सरकारी स्कूलों में मस्ती की पाठशाला लगाने जा रही है। दरसअल, सरकारी स्कूल की पढ़ाई बेहतर बनाने के साथ सराकार बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसी के तहत मोहन सरकार शासकीय स्कूलों के लिए आनंद योजना लेकर आ रही है। इसके तहत अब स्कलों में कोर्स की पढ़ाई के साथ बच्चों को जीवन जीने की कला और स्ट्रेस मैनेजमेंट की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। इसके लिए सरकारी स्कूलों में अलग से आनंद का एक पीरियड लगाया जाएगा, जिसमें हायर सेकंडरी के बच्चों को जीवन जीने और तनाव मुक्त रहने की कला सिखाई जाएगी। दरअसल, स्कूली बच्चों में स्ट्रेस और प्रतिस्पर्धा को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने आनंद विभाग के साथ अनुबंध किया है। इसमें आनंद विभाग शिक्षकों को पहले ट्रेनिंग देगा, फिर वही शिक्षक बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे। ऐसे में इसे मस्ती की पाठशाला भी कहा जा रहा है, जो बच्चों के लिए काफी फायदेमंद भी होगी। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग पहले भी सीएम राइज और मॉडल स्कूलों में मस्ती की पाठशाला का प्रयोग कर चुका है। इसके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए अन्य सरकारी स्कूलों में भी मस्ती की पाठशाला लगाने का फैसला लिया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल ने सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले टेस्टिंग शुल्क में की भारी बढ़ोतरी, सोलर वेंडर्स ने पीएम से लगाई गुहार

साढ़े सात गुना बढ़ाया शुल्क, 1680 की बजाय वसूल रहा 12450 रुपए

ऐसे में बंद करना पड़ेगा कारोबार, विद्युत नियामक आयोग जाएंगे सोलर वेंडर्स

भोपाल। मध्यप्रदेश में सोलर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। भोपाल शहर में 1100 मेगावाट सोलर ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है, जिससे 285 लाख पेड़ों के बराबर कार्बन उत्सर्जन कम होगा। सरकार और निगम दोनों सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा इस योजना पर पलीता लगाया जा रहा है, जिससे सोलर वेंडर अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। कंपनी द्वारा सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे आहत होकर सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में सोलर वेंडर्स ने लिखा है कि 'मैं मध्यप्रदेश के सभी सोलर वेंडर की ओर से आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि आपके द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु हो रहे प्रयासों में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा बहुत अधिक व्यवधान उत्पन्न किये जा रहे हैं।'

सोलर वेंडर्स ने पत्र में लिखा है कि सोलर नेट मीटरिंग

सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क 1680 रुपये ही लगती आ रही है तथा मध्यप्रदेश के अन्य विद्यतु विभाग पश्चिम क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र में भी यही शुल्क निर्धारित है, परंतु मध्य क्षेत्र भोपाल द्वारा 4 अप्रैल 2025 को सर्कुलर जारी कर शुल्क 12450 रुपये कर दिया गया है। जबकि एक 3 किलोवाट के सोलर में बड़ी मुश्किल से 10 से 15 हजार रुपये मुनाफा लिया जा सकता है, लेकिन अगर इस सर्कुलर को माना जाए तो वेंडर को नुकसान कर काम करने से बेहतर व्यापार बंद करना रहेगा या फिर सिस्टम की लागत बढ़ाना पड़ेगी। वर्तमान समय में कस्टमर सिस्टम की लागत को ही ज्यादा कहता है तो रेट कैसे बढ़ा या जाए। सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रार्थना की है कि इस विषय पर संज्ञान लेकर वेंडर का व्यापार बंद होने से बचाने में सहायता करें।

मीटर की कीमत से ज्यादा टेस्टिंग शुल्क

सबसे आश्चर्य की बात यह है कि सोलर नेट मीटर की कीमत ही 5448 रुपए है, जबकि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा टेस्टिंग के नाम पर मीटर की लागत से दोगुनी फीस वसूली जा रही है। यह फीस 12450 रुपए है।

सोलर वेंडर जाएंगे विद्युत नियामक आयोग

सूत्रों के अनुसार विद्युत वितरण कंपनियों को यह अधिकार नहीं है कि विद्युत से संबंधित कोई भी चार्ज बढ़ा सके। यह अधिकार केवल विद्युत नियामक आयोग को है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के आदेश के खिलाफ वेंडर्स विद्युत नियामक आयोग का भी दरवाजा खटखटाएंगे।

या है सोलर नेट मीटर

यह एक प्रणाली है जिसके तहत आप अपनी छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर बिजली उत्पन्न कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली को बिजली ग्रिड में वापस बेच सकते हैं। नेट मीटर एक विशेष प्रकार का मीटर है जो आपकी बिजली के उपयोग और उत्पादन को मापता है और आपकी बिजली के बिल को समायोजित करता है। टेस्टिंग शुल्क मीटर की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए लिया जाता है।

भोपाल की आदमपुर खंती में भीषण आग

कचरे के पहाड़ में आग से 50 फीट ऊपर उठी लपटें; 10 किमी दूर से दिखा धुआं

भोपाल। भोपाल के आदमपुर स्थित कचरा खंती में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। कचरे के पहाड़ में आग से 50 फीट ऊंची लपटें उठ गईं 10 किलोमीटर दूर से भी धुआं उठते हुए नजर आया। दोपहर करीब 1 बजे खंती में पड़े कचरे में आग लगी, जो धीरे-धीरे भीषण हो गई।

जनपद सदस्य संतोष प्रजापति ने बताया कि कचरे का धुआं आसपास के कई गांवों में पहुंच गया। जिससे लोगों की आंखों में जलन होने लगी। खंती में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकलें मौके पर पहुंची और काबू पाने में जुट गईं। हालांकि, दो घंटे बाद भी आग भीषण रही।

कचरे से निकलने लगा धुआं

बताया जाता है कि खंती के मुख्य गेट के पास आरडीएफ के ढेर से अचानक धुआं निकलने लगा। आग भड़की तो यहां मौजूद कर्मचारियों ने कचरा हटाने की कोशिश की। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाना शुरू किया। बता दें कि कचरा खंती में हर साल आग लगती है और हजारों क्विंटल कचरा जल जाता है। जनपद सदस्य प्रजापति का कहना है कि गर्मी के दिनों में बार-बार आग लगती है। कुछ दिन पहले भी भीषण आग लगी थी, जो काफी देर बाद काबू में आ पाई थी।

मप्र में शराबबंदी की उठी मांग, महुआ छोड़ हर तरह की शराब हो बंद, कांग्रेस बोली

भोपाल। मप्र में एक बार फिर शराब पर सियासत शुरू हो गई। कांग्रेस ने प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में महुआ छोड़कर हर तरह की शराब को बंद करने की मांग की है। आरोप है कि आदिवासी इलाकों को शराब का गढ़ बना दिया गया है। जिससे एमपी में पीढ़िया खराब हो रही है। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में डी3 मुहिम चल रही है, जिसका मतलब है- दहेज, दारू और डीजे के खिलाफ अभियान है। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि धार कलेक्टर का लेटर है कि नकली होलोग्राम से शराब का कारोबार हो रहा है। जब शराब पकड़ी जाती है तो कार्रवाई ड्राइवर पर होती है। ठेकेदारों, मालिक पर एक्शन नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि यह धार्मिक स्थलों पर शराबंदी की बात करते हैं। आदिवासी क्षेत्रों को शराब का अड्डा बना दिया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश में शराबबंदी की मांग की है। विक्रांत ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में महुआ की शराब को छोड़कर हर तरह की शराब बंद हो। क्यों कि महुआ शराब पूजा पाठ में उपयोग होती है। उन्होंने आगे कहा कि झाबुआ-अलीराजपुर में शराब का ठेका 400 करोड़ का है। गरीब जिले में इतना मंहगा ठेका कैसे हो रहा है? अगर इतना महंगा ठेका हो रहा है तो हर आदमी क्या एक लाख की शराब पी रहा है! मध्यप्रदेश में हालत लगातार बिगड़ रहे हैं, गरीब पिस रहा है। शराब की खेप गुजरात तक जा रही है, जो ड्राय स्टेट है। प्रदेश सरकार जनता, आदिवासियों का शोषण करने वालों के साथ है। जोबट में एक करोड़ की शराब पकड़ी गई है।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: बालेन्द्र गुप्ता।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), **आर.एन.आई.नं. 58842/94**